NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 177 लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेट किया नया टारगेट, बोले- 5 साल में चाहिए मेड इन इण्डिया एयरो इंजन

एजेंसी।

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बेंगलुरु स्थित जीटीआरई को भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बताते हुए वैज्ञानिकों से अगले पांच वर्षों में स्वदेशी एयरो इंजन विकसित करने का आग्रह किया, ताकि महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता हासिल की जा सके। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बताते हुए वैज्ञानिकों से दशकों से चल रहे एयरो इंजन विकास कार्य को अगले पांच वर्षों में पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में तेजी से महारत हासिल करने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु स्थित गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के

अधीन कार्यरत यह प्रतिष्ठान भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। उन्होंने इसके वैज्ञानिकों को लगातार सफल परीक्षण करने और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने का श्रेय दिया।राजनाथ ने कहा और आगे कहा कि डीआरडीओ का वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिन–प्रतिदिन भारत की रणनीतिक शक्ति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ प्रतिदिन एक के बाद एक सफल परीक्षण करता रहता है। हमें प्रतिदिन डीआरडीओ की उपलब्धियों के बारे में सुनने को मिलता रहता है। एक परीक्षण की चर्चा समाप्त होते ही दूसरी उपलब्धि की खबर आ जाती है। दूसरे शब्दों में, डीआरडीओ आज भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है।एयरो इंजन में स्वदेशी क्षमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि जहां एक इंजन विकसित करने में आमतौर पर 20–25 साल लगते हैं, वहीं भारत को अब पांच साल में वह हासिल करना होगा जिसे अन्य देशों को हासिल करने में दशकों लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक इंजन विकसित करने में 25 साल लगते हैं, तो भारत की वर्तमान स्थिति, हमारी रणनीतिक आवश्यकताओं और हमारी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए, आपको यह मान लेना चाहिए कि आपके 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और अब आपके पास केवल 5 साल बचे हैं। यह कोई चौंकाने वाली या आश्चर्य की बात नहीं हैय यह एक चुनौती है। हमें इन 5 वर्षों में वह हासिल करना है जो अन्य देश 20 वर्षों में करते हैं। यहीं पर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बेंगलुरु को नवाचार और कुशल मानव संसाधन का वैश्विक प्रतीक बताते हुए, सिंह ने कहा कि यह शहर और जीटीआरई 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज के समय में, बेंगलुरु न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल मानव संसाधन का प्रतीक बन गया है।

गोली चलाने वालों से सम्मान की उम्मीद मूर्खता, राज्यपाल के अपमान पर समाजवादी पर्टी पर बरसे-सीएम योगी

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के दौरान हंगामे को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला, इसे एक महिला राज्यपाल और संवैधानिक पद का अपमान बताया। उन्होंने सपा पर राम मंदिर का विरोध करने और राष्ट्रगान का अनादर करने का आरोप लगाते हुए अपनी सरकार की कानून–व्यवस्था और विकास की उपलब्धियां गिनाईं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राज्य के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संबोधन के दौरान हंगामा करने के लिए समाजवादी पार्टी की कड़ी आलोचना की। विधान परिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल का व्यवहार न केवल राज्य के संवैधानिक प्रमुख का अपमान है, बल्कि महिलाओं की गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्यपाल का संबोधन एक ऐसा दस्तावेज है जो सरकार की उपलब्धियों और

भविष्य की कार्ययोजना को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस संवैधानिक प्रक्रिया के दौरान मुख्य विपक्षी दल का आचरण अत्यंत निंदनीय है। लोकतंत्र को कमजोर करता है.. . यह घोर अनादर की श्रेणी में आता है। विपक्ष की प्रकृति को देखते हुए, उनसे संवैधानिक प्रमुख का सम्मान करने की अपेक्षा करना मूर्खता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना और संवैधानिक प्रमुखों के प्रति आदर और सम्मान की भावना बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। हमें ऐसा कोई भी व्यवहार नहीं करना चाहिए जो देश की आने वाली पीढ़ियों को गलत दिशा में ले जाए... जब विपक्ष का ऐसा रवैया हो, तो उनसे ऐसे आचरण की अपेक्षा करना व्यर्थ है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक यात्रा शुरू की है... राष्ट्र और विश्व इस बात को स्वीकार करते हैं कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन आया है। दुर्भाग्य से, संकीर्ण एजेंडा चलाने वाली सरकारों ने राज्य के भविष्य और उसके लोगों से समझौता किया है। उन्होंने राज्य को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया है। दो इंजन वाली सरकार की स्पष्ट नीतियों, इरादों और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण, हमने उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में एक बाधा से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश अब राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की ओर बढ़ गया है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज राज्य में कानून का राज कायम है। राज्य में रिकॉर्ड संख्या में पुलिस भर्तियां हुईं। महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। युवाओं के लिए नई योजनाएं बनाई गईं। आधुनिक पुलिस व्यवस्था और मजबूत साइबर एवं फोरेंसिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम किया गया। शून्य सहिष्णुता की संस्कृति ने उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है। राज्य में त्योहारों और मंदिरों से जुड़ी अर्थव्यवस्था फल–फूल रही है... माघ मेले के दौरान 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी नदी में स्नान किया... 2017 से उत्तर प्रदेश में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर राष्ट्रीय नायकों और धार्मिक परंपराओं का कथित तौर पर अपमान करने का आरोप लगाते हुए उस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। सपा ने श्गाजी का मेलाश का समर्थन किया।

राफेल सौदे पर अखिलेश यादव का सरकार से तीखा सवाल, पूछा- मेकइन इण्डिया का क्या हुआ?

संवाददाता।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राफेल सौदे और अमेरिका पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता को लेकर सरकार की श्मेक इन इंडियाश नीति पर सवाल उठाए हैं, साथ ही उन्होंने एपस्टीन फाइल्स पर सीधी टिप्पणी से बचते हुए सोशल मीडिया के प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहती और उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और भारत के अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों पर चिंता जताई। लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि हम एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहते। सोशल मीडिया एक बड़ी समस्या है। उन्होंने आगे कहा कि हम एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहते। सोशल मीडिया एक बड़ी समस्या है। एपस्टीन फाइल्स बहुत पहले बनाई गई होंगी, और इतने दिनों बाद सामने आईं। यादव ने कहा कि दुनिया में कई ऐसे देश हैं जिन्होंने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बना लिया है... इसलिए, इस बदलते दौर में सतर्क रहना जरूरी है, और एपस्टीन फाइल्स तो बस एक उदाहरण है। आपने अपना पूरा बाजार अमेरिका को सौंप दिया है... हम उन्हें 500 अरब डॉलर का बाजार देंगे, और कुछ ही दिन पहले हमने राफेल जेट खरीदे हैं... तो मेक इन इंडिया का क्या होगा? स्किल इंडिया का क्या होगा? यादव ने घरेलू विनिर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रमुख पहलों के

प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विदेशी बाजारों पर बढ़ती निर्भरता इन कार्यक्रमों को कमजोर कर सकती है। इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय युवा कांग्रेस ने जंतर–मंतर पर विरोधा प्रदर्शन किया और एपस्टीन फाइल्स में सामने आए आरोपों के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में मकर द्वार के बाहर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि उनके पास सत्यापित जानकारी है जो केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को हाल ही में जारी अमेरिकी न्याय विभाग की जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों से जोड़ती है।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं फरियादें, निवेश और शिक्षा से जुड़े मामलों में दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से स्वयं मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि लखनऊ आने से पहले वे अपनी समस्याओं को लेकर जनपद एवं मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से अवश्य मिलें। वहां भी अधिकारी आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि किसी कारणवश स्थानीय स्तर पर समाधान संभव न हो, तभी लखनऊ आकर अवगत कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर पीड़ित की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है और अधिकारियों को जनपद स्तर पर ही प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।जनता दर्शन के दौरान कुछ उद्यमियों ने भी अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए सुदृढ़ और पारदर्शी इकोसिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सिंगल विंडो सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू हैं। यदि किसी भी स्तर पर उद्यमियों को परेशानी होती है तो उसका प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। निवेश और औद्योगिक विकास में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं

की जाएगी।कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और शारीरिक गतिविधियां भी आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त अवैध कब्जों और पुलिस से जुड़े मामलों में भी अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनता दर्शन के दौरान अभिभावकों के साथ आए बच्चों से मुख्यमंत्री ने आत्मीय संवाद भी किया।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में 'सुभारती महोत्सव 2026' का भव्य शुभारंभ

डॉ. हिमांशु ऐरन, मेजर जी.के. थपलियाल और डॉ देश दीपक की गरिमामयी उपस्थिति में गूंजा राष्ट्रभाव का उद्घोष

विजडम इंडिया।

विशेष संवाददाता, देहरादून।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के विशाल प्रांगण में सोमवार को 'यूनिवर्सिटी कल्चरल एंड स्पोर्ट्स वीक – सुभारती महोत्सव 2026' का शुभारंभ अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और राष्ट्रवादी चेतना के साथ हुआ। विश्वविद्यालय प्ले ग्राउंड में ठीक प्रातः 11:00 बजे आयोजन का विधिवत आगाज हुआ, जहाँ कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

सबसे पहले कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने विश्वविद्यालय के गणमान्य सदस्यों के साथ रिबन काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलन की गरिमामयी परंपरा संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ देश दीपक, डॉ. जीवन आशा निदेशक, लोकप्रिय हॉस्पिटल, डायरेक्टर जनरल जी.के. थपलियाल, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर रविंद्र प्रताप यादव, डायरेक्टर प्रोजेक्ट लोकेश त्यागी तथा रजिस्ट्रार खालिद हसन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डीन एकेडेमिक्स डॉ मनमोहन गुप्ता एवं संस्कृति विभाग से डॉ रमन कीमोठी भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के साथ ही आसमान में रंग–बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए और आतिशबाजी की गूंज के साथ महोत्सव का औपचारिक प्रारंभ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री मिधत असलम और प्रदीप महारा ने प्रभावशाली ढंग से किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को ऊर्जावान और सुव्यवस्थित बनाए रखा।

सबसे पहले प्रो वाइस चांसलर एवं ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ देश दीपक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सुभारती महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को राष्ट्रनिर्माण की दिशा में प्रेरित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह मंच युवाओं के भीतर छिपी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देता है और विश्वविद्यालय की समग्र शिक्षा पद्धति का जीवंत उदाहरण है।

इसके पश्चात कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने अपने विशिष्ट और ओजस्वी अंदाज में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुभारती शिक्षा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण के आदर्श और राष्ट्रसमर्पित सोच ही ऐसे आयोजनों की

मूल प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि सुभारती केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी मूल्यों का संवाहक है।

डॉ. ऐरन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुभारती में आयोजित होने वाले कार्यक्रम अपनी विशिष्टता और अनुशासन के कारण विशिष्ट पहचान रखते हैं। यहाँ प्रतिभा को केवल मंच नहीं मिलता, बल्कि उसे संस्कार और राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी मिलता है।

डायरेक्टर जनरल जी.के. थपलियाल ने अपने संबोधन में कहा कि

इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और अनुशासन का विकास करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए इसे सुव्यवस्थित और प्रभावशाली शुरुआत बताया।

कार्यक्रम की ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी नीतिका कौशल ने पूरे छह दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 16 से 21 फरवरी तक चलने वाले इस महोत्सव में साहित्यिक, खेल, कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम के पहले दिन 11:00 बजे उद्घाटन के बाद 11:30 बजे ट्रेजर हंट (विश्वविद्यालय परिसर) तथा 12:00 बजे मल्टी परपज हॉल में क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसी समय विश्वविद्यालय प्ले ग्राउंड में वॉलीबॉल मुकाबला प्रारंभ हुआ, जबकि 12:30 बजे टग ऑफ वॉर ने छात्रों में रोमांच भर दिया। रस्साकस्सी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें वाइस चांसलर हिमांशु ऐरन और डायरेक्टर जनरल जी.के. थपलियाल की टीमों के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबला हुआ, जिसने विद्यार्थियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार कर दिया। इंडोर स्पोर्ट्स एरीना में 11:00 बजे टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न हुई।

फाइन आर्ट्स कॉलेज में 11:30 बजे फेस पेंटिंग तथा 2:00 बजे इंडियन फोक आर्ट की गतिविधियाँ हुईं। पूरे परिसर में दिनभर उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा।

मंगलवार को डिबेट सेमीफाइनल व फाइनल, स्लोगन राइटिंग, एक्सटेम्पोर और मिनी मैराथन जैसी प्रतियोगिताएँ होंगी। बुधवार को मॉक पार्लियामेंट और कवि सम्मेलन लोकप्रिय ऑडिटोरियम में आयोजित किए जाएंगे। गुरुवार को 'सनातन संगम' तथा फ्रेशर्स और आउटगोइंग बैच की गतिविधियाँ होंगी। शुक्रवार को फैशन शो, बैटल ऑफ बैंड्स, मोनो एक्टिंग, स्टैंडअप कॉमेडी, सोलो व ग्रुप सिंगिंग–डांस मुख्य मंच पर आयोजित होंगे, जबकि शनिवार को अवॉर्ड फंक्शन और गाला इवनिंग के साथ महोत्सव का समापन होगा।

पूरे परिसर में राष्ट्रगीतों की गूंज, रंग–बिरंगे परिधानों में सजे छात्र–छात्राओं की भागीदारी और अनुशासित आयोजन व्यवस्था ने सुभारती के राष्ट्रवादी चरित्र को पुनः प्रमाणित किया।

'सुभारती महोत्सव 2026' का यह भव्य शुभारंभ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक गरिमा और राष्ट्रसमर्पित भावना का सशक्त प्रदर्शन बनकर सामने आया।

ग्राम बस्तौली में 7 करोड़ की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस)। नगर निगम लखनऊ द्वारा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन तथा अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देशानुसार ग्राम बस्तौली, तहसील सदर, जिला लखनऊ स्थित शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बस्तौली की गाटा संख्या–99, क्षेत्रफल 0.177 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है और यह नगर निगम के अधीन शासकीय भूमि है। आरोप है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा इस भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्रीवाल निर्माण कर प्लॉटिंग और व्यावसायिक उपयोग का प्रयास किया जा रहा था। इससे सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचने के साथ–साथ सार्वजनिक उपयोग की भूमि के स्वरूप में परिवर्तन की आशंका भी उत्पन्न हो गई थी ।नगर निगम को प्राप्त शिकायतों और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। सहायक नगर आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) रामेश्वर प्रसाद तथा तहसीलदार नगर निगम अरविन्द पाण्डेय ने संयुक्त रूप से टीम गठित की। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को चिह्नित किया और जेसीबी मशीन की सहायता से बाउंड्रीवाल व अन्य अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया।पूरी कार्रवाई का नेतृत्व नायब तहसीलदार नगर निगम राजेन्द्र कुमार ने किया। अभियान के दौरान लेखपाल विनोद कुमार

वर्मा, कविता तिवारी और संजू मौर्या मौजूद रहे। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना गाजीपुर से पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। साथ ही नगर निगम प्रवर्तन दल (ईटीएफ) की टीम भी मौके पर मौजूद रही, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी ।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इस अभियान में लगभग 0.100 हेक्टेयर बेशकीमती भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है।

साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

फोन हैक कर रुपये उड़ाए, बैंक अफसर बनकर की ठगी

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक गैंग के तीन बदमाशों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। ये जालसाज फर्जी बैंक अधिकारी बनकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ठगी करते थे। साथ ही क्रेडिट कार्ड मे लगी इन्श्योरेन्स सर्विस हटाने के नाम पर फिशिंग लिंक एपीके फाइल भेजकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। ठगों के पास से जाली दस्तावेज, साइबर ठगी में इस्तेमाल 7 एंड्रॉइड व 01 कीपैड फोन, 07 सिम कार्ड, 05 एटीएम व 10 पासबुक बरामद हुई है। पकड़े गए तीनों जालसाज बिहार के हैं जो दिल्ली में रहकर साइबर ठगी कर रहे थे। ज्ञात हो कि शहर के सिविल लाइंस थाने में एक मामला दर्ज हुआ था कि बैंक अफसर बनकर एक परिवार से लाखों रुपये ठगे गए। इसके बाद साइबर क्राइम पुलिस टीमें सक्रिय हुईं। जांच से साफ हुआ कि एसबीआई क्रेडिट कार्ड टीम का अधिकारी बनकर कॉल किया गया था। कारोबारी से कहा गया कि क्रेडिट कार्ड पर इन्श्योरेन्स लगा है, जिसे हटाने के सम्बन्ध में लिंक भेजा गया है, उसे एक्टीवेट करने से वह हट जाएगा। जैसे ही कारोबारी ने लिंक ओपन किया मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद क्रेडिट कार्ड से 98,638 रुपये साइबर ठगी कर ली गई। पकड़ गए ठगों में मोनू कुमार पुत्र विनय सिंह निवासी बाबा अपार्टमेन्ट कपासहेड़ा जिला साउथ वेस्ट दिल्ली, स्थाई पता ग्राम जिकटी जनपद मुजफ्फपुर बिहार, मो. साजिद उर्फ गोलू पुत्र मो. असलम निवासी वर्तमान कापसहेड़ा साउथ वेस्ट दिल्ली, स्थाई पता ग्राम हरीनगर थाना नेवतन जनपद पश्चिमी चम्पारण (बेतिया) बिहार और समीर आलम पुत्र अब्दुल कय्यूम मियां निवासी अम्बेडकर कोलोनी बिजवासन जनपद साउथवेस्ट दिल्ली, स्थाई पता ग्राम रामनगर थाना रामनगर जनपद पश्चिमी चम्पारण बेतिया बिहार शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में शातिरों ने कबूल किया कि फर्जी मोबाइल नंबरों से स्वयं को बैंक का अधिकारी बनकर कॉल करते थे। कई बार कॉल ट्रांसफर आदि का नाटक करते थे ताकि लगे कि बैंक से कॉल आई है। टार्गेट सेट होता था। कारोबारी आदि के बारे में पहले से जानकारी जुटा लेते थे। इसके बाद उन्हें बताते थे कि आपके क्रेडिट कार्ड पर इन्श्योरेन्स लगा जिससे आपका पैसा समय–समय पर कटता रहेगा, जिसको हटवाने के लिये व क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर यह लोग फिशिंग लिंक ध्एपीके फाइल पीड़ित को भेजते है।

इसके बाद शातिर फोन का रिमोट एक्सेस लेकर खातों से पैसें उड़ा देते है व म्यूल एकाउन्ट्स् में पैसे मंगवाकर विभिन्न एटीएम से पैसे निकाल कर आपस में बांट लेते है । पुलिस से बचने के लिए यह लोग फर्जी सिम, म्यूल एकाउन्ट्स का इस्तेमाल करते है और वाट्सएप कॉल का ही प्रयोग करते है।

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के चार शातिर गिरफ्तार, लाखों के जेवर व नगदी बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना पीजीआई एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। अभियुक्तों को वृंदावन गेट के आगे सब्जी मंडी के पास से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की एक एयरगन (रायफल), कुल 42,362 रुपये नगद तथा भारी मात्रा में पीली व सफेद धातु के आभूषण, चार हाथ घड़ियां और दो मोतियों की मालाएं बरामद की गईं। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा गिरफ्तारी करने वाली टीम को 15,000 रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है ।पुलिस के अनुसार 6 फरवरी 2026 को जानकीपुरम विस्तार निवासी विवेक मोहन ने थाना पीजीआई में लिखित तहरीर दी थी कि उनके रिश्तेदार अभय नाथ मिश्रा 2 फरवरी को एक शादी समारोह में गए थे। 6

फरवरी को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि सेक्टर–03, एल्डिको उद्यान–प्प स्थित उनके मकान संख्या–141 में 2 से 6 फरवरी के बीच अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ताला तोड़कर चोरी की गई है। तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0–80ध2026 धारा 305() बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई ।घटना के अनावरण हेतु पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया, जिसमें सर्विलांस सेल को भी लगाया गया। लगभग 350 सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल व तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और चोरी का शत–प्रतिशत माल बरामद कर लिया गया ।पूछताछ मेंअभियुक्तों ने बताया कि वे आपस में मित्र हैं। सोनू सिंह और शक्तिमान सिंह पहले बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे। जब यह सुनिश्चित हो जाता था कि मकान कई दिनों से खाली है, तो रात में लोहे की सरिया से ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे और फरार हो जाते थे। 4ध5 फरवरी 2026 की रात को भी इसी तरीके से वारदात की गई थी ।गिरफ्तार अभियुक्तों में सोनू सिंह निवासी हाल पता नादरगंज, मूल निवासी कैमूर (बिहार), शक्तिमान सिंह निवासी नादरगंज, मूल निवासी कैमूर (बिहार), सोनू कुमार साह उर्फ सोनू पहाड़ी निवासी सारन (छपरा) बिहार तथा बृजेश निषाद निवासी नादरगंज, मूल निवासी फतेहपुर शामिल हैं। इनमें से कुछ अभियुक्त पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट और चोरी के कई मामलों में जेल जा चुके हैं ।बरामदगी में एक एयरगन, 42,362 रुपये नगद, मंगलसूत्र, चूड़ियां, कंगन, अंगूठियां, पायल, चौन, मांग टीका, हाथफूल, नथिया, पेंडेंट, हार सेट, कान के टॉप्स व झाले, विभिन्न घड़ियां (सोनाटा व एचएमटी) सहित बड़ी मात्रा में पीली व सफेद धातु के आभूषण शामिल हैं ।पुलिस के अनुसार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना पीजीआई एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया गया है।

यूपी बोर्ड परीक्षा कल से होंगी शुरू, 12 मार्च तक होंगे एग्जाम

8033 केंद्रों में 52 लाख से ज्यादा छात्र छात्राएं देंगे परीक्षाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं कल 18 फरवरी से शुरू हो जाएंगी। इस बार बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से शुरू होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए दोनों ही कक्षाओं का पहला पेपर हिन्दी विषय का रखा गया है ।यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने जानकारी दी कि हाईस्कूल की परीक्षाएं 15 कार्य दिवसों में और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 14 कार्य दिवसों में पूरी कराई जाएंगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे होगी। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में कुल 52,30,297 परीक्षार्थी शामिल होंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले साल (2025) की तुलना में इस बार परीक्षार्थियों की संख्या में 2,06,877 की कमी आई है। इस बारहाईस्कूल में कुल 27,50,945 परीक्षार्थी जिसमें 14,38,682 छात्र और 13,12,263 छात्राएं शामिल है। इंटरमीडिएट में कुल 24,79,352 परीक्षार्थी हैं, जिसमें 13,03,012 छात्र और 11,76,340 छात्राएं शामिल है। इससे पता चलता है कि जहां हाईस्कूल में परीक्षार्थियों की संख्या में 18,780 की मामूली बढ़ोतरी हुई है, वहीं इंटरमीडिएट में 2,25,657 परीक्षार्थी कम हुए हैं ।छात्रों की संख्या घटने का सीधा असर परीक्षा केंद्रों पर पड़ा है। यूपी बोर्ड के मानकों के अनुसार, एक केंद्र पर औसतन 500 से 1000 छात्र आवंटित होते हैं। इस लिहाज से इस बार प्रदेश भर में 200 से अधिक परीक्षा केंद्र कम हो गये हैं। ज्ञात हो कि 2025 में 8,140 केंद्र बनाए गए थे, जबकि 2024 में इनकी संख्या 8,265 थी। इस बार 8033 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा कराई जायेगी।

कोल जाति को मिले अनुसूचित जनजाति का दर्जा- उज्जवल

सांसद उज्जवल रमण सिंह नई दिल्ली में केंद्रीय जनजाति कार्य मंत्री से मिले

प्रयागराज। प्रयागराज सांसद उज्जवल रमण सिंह ने उत्तर प्रदेश में निवास करने वाली श्कोलश आदिवासी जाति के उत्थान के लिए केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम से नईदिल्ली में मिलकर एक पत्र दिया जिसमें कोल जाति को उत्तर प्रदेश में भी अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल करने की पुरजोर वकालत की है।

यह जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि सांसद ने पत्र के माध्यम से कोल समाज की दयनीय स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कई महत्वपूर्ण तर्क दिए हैं कि जहां ओडिशा, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कोल जाति को श्अनुसूचित जनजातिश (एसटी) का दर्जा प्राप्त है, वहीं उत्तर प्रदेश में इन्हें अनुसूचित जाति (एससी) की श्रेणी में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली, बांदा और चित्रकूट जैसे जिलों में निवास करने वाली लगभग 15 लाख की यह आबादी आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। उत्तर प्रदेश में इस समाज की साक्षरता दर मात्र 0.28 प्रतिशत है। शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण इस समाज से न तो कोई राजपत्रित अधिकारी है और न ही डॉक्टर, इंजीनियर या वकील।

सांसद ने एक भावनात्मक मुद्दा भी उठाया कि यदि यूपी की कोई कोल लड़की एमपी में विवाहित होती है, तो उसके बच्चों को एसटी का लाभ मिलता है, लेकिन एमपी की लड़की यूपी आने पर इस लाभ से वंचित रह जाती है ।सांसद उज्जवल रमण सिंह ने याद दिलाया कि उत्तर प्रदेश शासन के श्अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊश ने विस्तृत सर्वेक्षण के बाद पहले ही कोल जाति को एसटी में शामिल करने की संस्तुति भारत सरकार को भेजी थी, जो अभी तक लंबित है।

सांसद ने केंद्रीय मंत्री जोएल ओराम से आग्रह किया है कि समाज के हित में आवश्यक कार्रवाई करते हुए इन्हें जल्द से जल्द अनुसूचित जनजाति एसटी श्रेणी में शामिल किया जाए।

बीएचयू में पालि व बौद्ध अध्ययन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 से

वाराणसी ।(आरएनएस) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग की ओर से 17 से 19 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और तोयो विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य पालि साहित्य, बौद्ध दर्शन, त्रिपिटक अध्ययन, विभिन्न बौद्ध परंपराओं के तुलनात्मक विश्लेषण, बौद्ध संस्कृति एवं विरासत, पांडुलिपि विज्ञान तथा समकालीन संदर्भ में बौद्ध चिंतन की प्रासंगिकता जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श करना है। तीन दिनों में कुल 80 चयनित शोध–पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे ।सम्मेलन में म्यांमार, कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, कंबोडिया, जापान, थाईलैंड और वियतनाम सहित कई देशों के विद्वान, शोधकर्ता और विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। तकनीकी सत्रों में पालि त्रिपिटक, अट्ठकथा परंपरा, बौद्ध तर्कशास्त्र, थेरवाद और महायान दर्शन, तुलनात्मक बौद्ध अध्ययन तथा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संवाद जैसे विविध विषयों पर विचार–विमर्श होगा ।17 फरवरी को आयोजित उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सिद्धार्थ सिंह, कुलपति, नव नालंदा महाविहार होंगे। सत्र की अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कनफेडरेशन के अध्यक्ष प्रो. रवींद्र पंथ करेंगे। संरक्षिका के रूप में सुषमा घिल्दियाल उपस्थित रहेंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. केंजी ताकाहाशी, तोयो विश्वविद्यालय, टोक्यो (जापान) अपने विचार साझा करेंगे ।19 फरवरी को होने वाले समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. उमा शंकर व्यास, पूर्व निदेशक, नव नालंदा महाविहार करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश रंजन, कुलपति, केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. तोमोयोकी यामाहाता, होक्काइदो विश्वविद्यालय तथा डॉ. के. सिरी सुमेध थेरो, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के सदस्य मौजूद रहेंगे। समापन सत्र में सम्मेलन की संस्तुतियां प्रस्तुत की जाएंगी और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध शोध सहयोग को सुदृढ़ करने की रूपरेखा घोषित की जाएगी ।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन भारत और एशिया के अन्य देशों के बीच बौद्ध शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और शोध संबंधों को नई मजबूती प्रदान करेगा। इससे भारत को वैश्विक स्तर पर बौद्ध ज्ञान के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि पर्यटन एवं संस्कृति विभाग बौद्ध शिक्षा और संस्कृति के संवर्धन हेतु निरंतर विविध कार्यक्रम आयोजित कर रहा है ।पालि को भारत की प्राचीनतम ज्ञात भाषाओं में माना जाता है।

ज्वैलरी की दुकान में चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कैण्ट पुलिस व नगर की संयुक्त टीम द्वारा व सर्विलांस सेल नगर टीम के सहयोग से बीती 12ध13 फरवरी की रात थाना कैण्ट अन्तर्गत ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी की घटना का खुलासा कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 450 ग्राम सोने के जेवरात, 1.8 किलो चांदी व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किए हैं।

ज्ञात हो कि कैन्ट थाना क्षेत्र के गंगानगर निवासी चंदन की थाना क्षेत्र के ही सदर बाजार चौराहे पर ज्वेलरी शॉप है। दुकान संचालक चंदन ने बताया कि वह रोज की तरह गुरुवार रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर गंगानगर स्थित अपने घर चले गए थे। सुबह करीब 7 बजे दुकान के सामने चाय लगाने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर बताया कि दुकान का शटर टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान का शटर तोड़ा गया था। अंदर जाने पर पाया कि चोरों ने भीतर लगा कांच का दरवाजा भी तोड़ दिया था। इसके बाद बदमाश दुकान में रखे लगभग 100 ग्राम सोने और 15 किलो चांदी के आभूषण उठा ले गए। चंदन के मुताबिक चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 60 लाख रुपये थी।

घटना की सूचना चंदन ने कैंट थाने में दर्ज कराई। सूचना पाते कैंट थाने की पुलिस एसओजी और सर्विलांस टीम ने जाल बिछाया। टीमों ने आज काली पल्टन बाबा जी की कुटी के पास थाना क्षेत्र कैण्ट से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाशों में गौरव कनौजिया उर्फ मुकुल पुत्र निरंजन कनौजिया निवासी मीरापुर थाना अतरसुइया जनपद प्रयागराज, बकरीदउल शेख उर्फ पोपो पुत्र

इसराइल शेख निवासी ग्राम कोयला बाजार थाना राजमहल जनपद साहिबगंज झारखंड हाल पता अलीनगर नया हड्डी गोदाम थाना करैली, समीउल शेख उर्फ छोटू पुत्र सिराजुल शेख निवासी चांदशहर थाना राधानगर जनपद साहिबगंज झारखंड हाल पता अलीनगर अबूबकर मस्जिद थाना करैली जनपद प्रयागराज व परवेज आलम उर्फ तौशीफ उर्फ नेपाली पुत्र हसनु शेख निवासी चांद शहर थाना राधानगर जनपद साहिबगंज झारखंड हाल पता लाल कालोनी तुलसीपुर स्कूल के पास थाना करैली शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से कब्जे से चोरी की कुल 450 ग्राम पीली धातु व 1.8 कि0ग्रा0 सफेद धातु व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया।

खदरा व्यापार मण्डल की 9 इकाइयों का गठन, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिलाई शपथ

लखनऊ(आरएनएस)। खदरा, सीतापुर रोड स्थित चुंगी क्षेत्र में 16 फरवरी 2026 को लखनऊ व्यापार मण्डल के परिक्षेत्र में 9 नई इकाइयों का गठन कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक नीरज बोरा तथा लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की, जबकि संचालन मुसव्विर अली उर्फ मंशू ने किया ।समारोह की शुरुआत में मुख्य अतिथि का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। इसके बाद विशिष्ट अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। खदरा परिक्षेत्र में दीनदयाल नगर, छोटी पकरिया रोड, शिवनगर रोड, बड़ी पकरिया रोड, कर्बला रोड, अवध वाटिका रोड, सीतापुर रोड (पश्चिम), रामलीला ग्राउंड रोड तथा सीतापुर रोड (पूरब) इकाइयों का गठन किया गया। विभिन्न इकाइयों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, सचिव, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रचार मंत्री सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संरक्षक के रूप में मुसव्विर अली उर्फ मंशू (पार्षद) सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी नामित किए गए। साथ ही अमरनाथ मिश्र ने मुसव्विर अली उर्फ मंशू को लखनऊ व्यापार मण्डल का महामंत्री (टीजी) घोषित किया ।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार मंडल समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रदेश सरकार व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं और सरकार हर स्तर पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने संगठित व्यापारी समाज को क्षेत्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए एकता और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया ।विधायक नीरज बोरा ने व्यापारियों से एकजुट होकर क्षेत्र के विकास में सहयोग करने की अपील की और हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नगर निगम व्यापारियों की सुविधाओं, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने व्यापारियों से नगर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में सहयोग की अपील की ।लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि संगठन सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने सभी नवगठित इकाइयों से निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। संरक्षक एवं पार्षद मुसव्विर अली उर्फ मंशू ने क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया और व्यापारियों से आपसी एकता बनाए रखने की अपील की ।कार्यक्रम में सैकड़ों व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पांच माह से शिक्षक स्कूल गये नही, प्रधानाचार्य सहित दोनों निलंबित

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार ने क्षेत्रीय लोगों और अभिभावकों की शिकायत पर कंपोजिट विद्यालय राजापुर मांडा का औचक निरीक्षण किया। यहां बच्चों की उपस्थिति 70 प्रतिशत मिली लेकिन शैक्षिक स्तर व शिक्षकों की कार्यप्रणाली असंतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक कौशल सिंह एक अक्टूबर से बिना सूचना के गायब मिले। पूर्व में भी उनके अनियमित रूप से विद्यालय आने की शिकायतें पाई गईं लेकिन उनका वेतन प्रधानाध्यापक रजिया फरहाना नियमित रूप से निकलवाती रहीं। इस प्रकरण में दोनों शिक्षकों को निलंबित करते हुए हस्ताक्षर रजिस्टर जब्त कर लिया है। बीएसए ने दोनों शिक्षकों से 15 दिन के भीतर इस संबंध में लिखित जवाब मांगा गया है जिससे कि इनके खिलाफ सख्त कारवाई है सके। इस मामले में बीईओ मांडा को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया गया है ।बीएस अनिल कुमार ने बताया कि 14 फरवरी को उन्होंने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। एक प्रधानाध्यापक, चार सहायक अध्यापक, दो अनुदेशक और एक शिक्षामित्र कार्यरत है। 337 विद्यार्थियों का नामांकन स्कूल में है। निरीक्षण के समय प्रधानाध्यापिका रजिया फरहाना बीआरसी मांडा में प्रशिक्षण के लिए गई थीं। दोनों अनुदेशक एक घंटे देर से विद्यालय पहुंचे। शेष अन्य शिक्षक उपस्थित मिले। हर्ष प्रताप सिंह के संबंध में कक्षा सात और आठ के छात्र, छात्राओं से बात करने पर पता चला कि वह बीच, बीच में अनुपस्थित रहते है। महिला अनुदेशक समय से विद्यालय में उपस्थित होकर शैक्षिक कार्य करती हैं लेकिन निरीक्षण के दिन देर से आईं। हालांकि दोनों अनुदेशकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इसी क्रम में सहायक अध्यापक कौशल सिंह के बारे में ग्रामीणों और अभिभावकों ने शिकायत की थी कि वह स्कूल नहीं आते।

लठामार होली की प्रथम चौपाई महाशिवरात्रि पर निकली

अबीर गुलाल में सराबोर होकर नाचे गोस्वामीजन

होली के पदों को गाते हुए भगवान शिव पर बरसाया गुलाल

बरसाना। लठामार होली व बरसाना का रंगोत्सव की प्रथम चौपाई निकाली गयी। चौपाई के दौरान हो रही अबीर गुलाल की बर्षा ने चाहुंऔर माहौल को रंगीन कर दिया। अबीर गुलाल में सराबोर गोस्वामी समाज के लोग मदमस्त होकर नाचते गाते लाडली जी मन्दिर से रंगीली गली में स्थित रंगेश्वर महादेव तक आये, गोस्वामीजनों द्वारा गाए जा रहे होली के पदों को सुनकर श्रद्धालु आनंद से भाव विभोर हो उठे।

भगवान श्री कृष्ण की आल्हादनी शक्ति राधारानी की जन्म स्थली श्री धाम बरसाना में बसंत पंचमी से होली महोत्सव की धूम मची हुई है। जिसके चलते रवि वार की देर शाम को गोस्वामी समाज के मुखिया रामभरोसे गोस्वामी के नेतृत्व में ढप, मृदंग, चंग, उपंग, झांझ, झालरियों की धुनों पर नाचते गाते हुए संध्या आरती के बाद प्रथम चौपाई निकाली गयी। लठामार होली की प्रथम चौपाई में गाए जाने वाले पदों को गोस्वामी समाज के लोग आन्नदमय होकर गाते हुए चल रहे थे। चौपाई के दौरान अबीर गुलाल भी उड़ाए जा रहा था। एक प्राचीन कथा के अनुसार शिवरात्रि के दिन सभी सखियां शंकर जी का व्रत रखती है तो इस दिन राधा रानी अपनी सखियों के साथ संकेतवट में खेलने नही जाती है। जब श्रीकृष्ण राधा रानी के दर्शन करने के लिए छद्म रूप धारणकर विलासगण पर आते है। सखियां जाकर के राधा रानी से कहती है कि "बाघम्वर ओड़े सावंरौ यामें जोगी कौ हुनर कौन" राधारानी अपने साथ सखियों को लेकर सांकारी खोर में पहुंचकर छद्म रूप धारी भगवान श्रीकृष्ण को पहचान जाती है और कहती है"महामोहन ठोढ़ा सावंरौ ठाड़ौ सॉकरी खोर" और इसी के साथ भगवान श्रीकृष्ण राधा जी के साथ होरी खेलते

है। यह प्रथम चौपाई कस्बे के लाडली जी मन्दिर व दादी बाबा होते हुए रंगीली गली में स्थित रंगेश्वर महादेव तक निकाली गई। इस अवसर पर गोस्वामीजनों द्वारा होली के विभिन्न पदों का गुणगान भी किया गया। "रूप वावरो नन्द महर सौ वौहर वनौ होरी को छैल रोकट टोकत घूंघट खोलत भर पिचकारी तकत पुरोजन यही भरे जौवन के फैल" बरसानौ हमारी रजधानी गहवरवन और खोर सांकरी,,,,,,,,,,,

" कलीदह खेलन आयौ काए की पट गेंद बनाई और काए कौ डंडा लायौ।

प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन की जयंती के परिप्रेक्ष्य मे राष्ट्रीय गणित दिवस का हुआ आयोजन

बाराबंकी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तरप्रदेश के तत्वावधान में संचालित जिला विज्ञान क्लब बाराबंकी के संयोजन मे प्रसिद्ध गणितज्ञ श्री निवास रामनुजन की जयंती के परिप्रेक्ष्य मे सोमवार राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्ड सिद्धौर के स्व० चंद्रमौलि वर्मा सभागार में किया गया।इस कार्यक्रम मे 15 विद्यालयों के कुल 220 से अधिक छात्र एवं छात्राओं ने प्रतिभागिता की।इस कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र पंचायत प्रमुख सिद्धौर, श्रीमती आरती रावत, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी सिद्धौर पूजा सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी सिद्धौर प्रमोद उपाध्याय ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख श्रीमती आरती रावत ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है ऐसे कार्यक्रमों से इनको एक प्रेरणा मिलती है। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गणित के बारे में अनावश्यक तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है यह हमारे दैनिक जीवन से जुड़ी हुई है। उन्होंने सूत्र वाक्य देते हुए कहा कि जीवन मे कभी निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि श्कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।श खण्ड विकास अधिकारी पूजा सिंह ने श्रीनिवासन

रामानुजन के जीवन और उनके कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद उपाध्याय ने सभी छात्र छात्राओं को गणित विषय सीखने में सहज बने रहने की सलाह प्रदान की।जिला विज्ञान क्लब समन्यवयक आशीष पाठक ने राष्ट्रीय गणित दिवस की महत्ता के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि गणित प्रकृति की भाषा है।जिसकी गणित अच्छी है वे अपने जीवन को अच्छी तरह से निर्वहन करने मे सक्षम है।
गणित के विशेषज्ञ राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार विजेता शिक्षक श्री दिनेश कुमार वर्मा ने घन मूल निकालने के सरल तरीके, त्रिकोण मिति के सूत्र बनाने के तरीके पर प्रयोगो के माध्यम से प्रकाश डाला। टी एल एम के राज्य पुरस्कार विजेता शिक्षक श्रीकांत शर्मा ने गणित के रोचक उपयोग बताते हुए रेखागणित को सुगम बनाने के तरीके बताए। एआरपी वी पी सिंह ने बीजगणित एवं व्यवहार गणित के विषय मे रोचक जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम मे छात्रों को रामानुजन के गणित मे योगदान की एक फिल्म दिखाई गयी।इसके अतिरिक्त गणित टी एल एमध मॉडल, पोस्टर प्रतियोगिता एवं गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। मूल्यांकन समिति के सदस्य विशेश्वरी प्रताप सिंह , दिलीप कुमार वर्मा,अमिता रस्तोगी, आशीष कुमार, वीरेंद्र कुमार सम्मिलित रहे। पोस्टर प्रतियोगिता मे टॉप टेन में अंकिता , दीपांशी उच्च प्राथमिक विद्यालय कोपवा, राजकुमारी कंपोजिट विद्यालय केसरगंज, हिमांशु मोहन उच्च प्रथमिक विद्यालय अंदका, नैंसी उच्च प्रा0 वि० इसरौली सारी, लकी , फिरदौस रामलाल हाई स्कूल, शिवम कंपोजिट विद्यालय शुशुवाई, उम्मे नशरा आदर्श इण्टर कालेज, सिद्धौर, नाजरीन उ0प्रा0विद्यालय कारे देवन ने स्थान प्राप्त किया।

वन विभाग मेहरबान तो क्यों न बने लकड़कट्टे पहलवान

बाराबंकी। एक तरफ सरकार पर्यावरण को बचाने के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च कर पौधारोपण करवाती है तो वही दूसरी तरफ वन विभाग लकड़कट्टों पर मेहरबानी कर पर्यावरण का विनाश करने पर उतारू है। जिसमें जनपद का वन रेंज रामनगर सबसे अव्वल नंबर पर है जहां वन विभाग से मिलकर प्रतिबंधित पेड़ों को काटने के लिए परमिट की कोई जरूरत नहीं है। ज्ञातव्य हो कि वन रेंज रामनगर के अंतर्गत ग्राम जमलापुर में वन विभाग की सह पर 17 आम के हरे भरे फलदार पेड़ लकड़कट्टों द्वारा काट लिए गए। जिसके संबंध में जब मीडिया कर्मियों ने डिप्टी रेंजर मनोज कुमार यादव से फोन पर जानकारी लेना चाहा तो उन्होंने पत्रकार को ही धमकाने की कोशिश की और गुस्से में आकर फोन काट दिया। इतना ही नहीं डिप्टीरेंजर दबंग लकड़कट्टों से पत्रकारों का नाम बताकर कर उन्हें उकसा दिया। जिससे लकड़कट्टे मारने-पीटने पर उतारू हो गए और पत्रकारों से कहने लगे कि तुम कौन हो इसकी जानकारी लेने वाले क्या पेड़ तुमने लगाया था। ज्यादा पत्रकारिता दिखाई तो जान से हाथ धोना पड़ेगा या फिर किसी फर्जी गंभीर मुकदमे में तुम लोगों को फंसा देंगे।उक्त के संबंध में पीड़ित पत्रकारों ने शिकायती पत्र के माध्यम से दिनांक 09 फरवरी 2026 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक बाराबंकी व प्रभागीय वन अधिकारी बाराबंकी से अवैद्य कटान में सम्मिलित डिप्टी रेंजर मनोज कुमार यादव व लकड़कट्टो के खिलाफ उचित कार्यवाही हेतु मांग की है।

आधार निर्माण फाउंडेशन द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता हेतु जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

कानकोर के CSR से हो रहा जन जन को लाभ

श्रावस्ती। बालिकाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए से उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जनपद श्रावस्ती में कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) कार्यक्रम के तहत एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आधार निर्माण फाउंडेशन के सहयोग से इकौना ब्लॉक के दो प्रमुख इंटर कॉलेजोंकृसत्य द आयरन स्कूल एवं जनता इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ। बता दे कि इस अभियान की शुरुआत 13 फरवरी 2026 से हो चुकी है उसी क्रम में आज यह कार्यक्रम दो विद्यालयों म सम्पन्न हुआ, जिसमें छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा सुरक्षित उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों ने छात्राओं के प्रश्नों का समाधान करते हुए व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान किया।
कार्यक्रम में छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए तथा विद्यालय परिसर में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन भी स्थापित की गई, जिससे छात्राओं को नियमित रूप से आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो सके।
आधार निर्माण फाउंडेशन के प्रतिनिधि ने कहा कि यह पहल किशोरियों के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं फाउंडेशन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।
विद्यालय प्रबंधन समिति ने CONCOR एवं आधार निर्माण फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों को भविष्य में भी जारी रखने की अपेक्षा जताई।

बैठक कर एसडीएम ने मांगे बरसानावासियों से सुझाव

-लठामार होली मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सहूलियत का रखा जाएगा ध्यान

(बरसाना)(नरेश)
आगामी 24 व 25 तारीख को

आयोजित होने वाली लड्डूमार होली और लठामार होली को सकुशल सम्पन्न कराने की तैयारियों के क्रम में प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर उनके सुझाव जाने और सभी विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।
सोमवार को नगर के लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में उपजिलाधिकारी गोवर्धन प्रजाक्ता त्रिपाठी और सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह ने स्थानीय नागरिकों और अन्य विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान ग्रामीणों ने अवगत कराया कि मेला के दौरान कई प्रमुख गलियों के आगे बैरियर लगाकर उन्हें बंद कर दिया जाता है जिससे स्थानीय नागरिक अपने घरों में कैद होकर रह जाते हैं साथ ही परीक्षा देने जाने वाले विद्यार्थी भी परेशान होते हैं। हुरियारों के निर्बाध आगमन और होली के चौपाई आदि के निकलने के दौरान आने वाले समस्याओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उपजिलाधिकारी ने कहा कि सुझावों पर विचार कर स्थानीय लोगों को सहूलियत देने की कोशिश की जाएगी। मेले के दौरान आने वाली महिला श्रद्धालुओं के साथ किसी तरह की अभद्रता नहीं होने दी जाएगी। मेले का कंट्रोल रूम पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बनाया जाएगा। इस दौरान विद्युत, लोक निर्माण, सिंचाई, स्वास्थ्य और नगर पंचायत के प्रतिनिधियों के बात कर उनके कार्यों की प्रगति जानी गई और शेष कार्य समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि पदम सिंह फौजी, किशोरी गोस्वामी, भाजपा नेता रणवीर ठाकुर, सभासद राकेश डीलर, सभासद चंद्र शेखर, सभासद भोला पहलवान, सभासद प्रतिनिधि विवेक अग्रवाल, प्रमोद ठेकेदार, डॉ. मुकेश शर्मा, हरिशंकर पंडा, माधो मेंबर आदि उपस्थित रहे।

विश्व प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ का चौथा टेड एक्स व्याख्यान बनी एक न उपलब्धि

सुलतानपुर। .त्रिम बुद्धिमत्ता के तीव्र विस्तार के इस दौर में जहाँ तकनीक उद्योगों को बदल रही है और सुरक्षा की परिभाषा को नया स्वरूप दे रही है, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ नितिन पांडे ने एक बार फिर डिजिटल सुरक्षा के भविष्य पर अपनी सशक्त बात रखी। 7 फरवरी 2026 को प्रो. मनुजता गुप्ता की टीम द्वारा आयोजित टेड एक्स बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी में उन्होंने अपना चौथा टेड एक्स व्याख्यान देकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत सफर का पड़ाव है, बल्कि वैश्विक साइबर सुरक्षा विमर्श में भारत की बढ़ती उपस्थिति का भी प्रतीक है। उनके व्याख्यान का विषय था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बनाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (.त्रिम बुद्धिमत्ता)। अपने संबोधन में उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ केवल इंसान बनाम हैकर की लड़ाई नहीं रहेंगी, बल्कि यह एआई बनाम एआई की लड़ाई होगी, जहाँ आक्रामक एआई और रक्षात्मक एआई आमने-सामने होंगे। नितिन पांडे ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (.त्रिम बुद्धिमत्ता) स्वास्थ्य, रक्षा, ऑटोमोबाइल, औद्योगिक उत्पादन और व्यक्तिगत उत्पादकता जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। साथ ही उन्होंने इसके खतरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि डीपफेक आधारित वित्तीय धोखाधड़ी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित फ़िशिंग अभियान, स्वयं को बदलने वाले मालवेयर और स्वचालित साइबर हमले आज वास्तविक खतरे बन चुके हैं। अपराधी नेटवर्क एआई आधारित उपकरणों का उपयोग अभूतपूर्व गति और पैमाने पर कर रहे हैं। भविष्य की लड़ाई अब इंसान बनाम हैकर की नहीं रही। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बनाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की लड़ाई है। असली प्रश्न यह है कि क्या मानव बुद्धिमत्ता और नैतिकता नियंत्रण में बनी रहेगी।
कार्यक्रम के दौरान नितिन पांडे ने अपने सफर को भी साझा किया।

हमीदिया गर्ल्स डिग्री कश्लेज में चलाया गया यातायात जागरूकता अभियान

घायल को अस्पताल पहुंचाएं बाद में फिर वीडियो बनाएं!!

प्रयागराजध्सड़क सुरक्षा को लेकर छात्राओं को यातायात नियमों

के पालन करने के साथ वाहन चलाते समय सुरक्षित रहें, इस अभियान को इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय द्वारा विभिन्न शिक्षण व प्रशिक्षण संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एनएसएस के छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधी जानकारी दी गई।

जागरूकता अभियान के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष प्रशिक्षण अभियान में स्वयंसेवी छात्राओं को पवन कुमार पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर जागरूक किया गया। युवाओं को सडक सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही दो पहिया वाहन चालक व उनके सहयात्री को हेलमेट लगाने व चार पहिया वाहन सवारों को सीट बेल्ट लगाने के लिए समझाया गया। नियमित हेलमेट व सीट बेल्ट लगाकार यातायात नियमों का पालन कर अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा करने की अपील की गई। जागरूकता अभियान के दौरान युवाओं को लाइसेंस प्राप्त करने के नियम व तरीको के बारे में अवगत किया गया। 18 वर्ष के पूर्व बिना लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, घायलों की सदैव मदद करने, इमरजेंसी वाहनों को रास्ता देने, यातायात सिग्नल तथा संकेत का पालन करने, वाहनों के पीछे हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगवाने के साथ-साथ सदैव यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

आयोजन के अंत में कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रोफेसर नासेहा उस्मानी ने प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए व्याख्यान की सराहना की,बच्चो से प्रश्नोत्तरी करते हुए बच्चो सम्मानित किया गया।इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर सबीहा आजमी, डॉक्टर शबनम आरा, डॉक्टर शबाना अजीज व चाइल्ड लाइन 1098 सदस्य नितीश शुक्ल उपस्थित रहे।

रूबेला टीकाकरण अभियान का सफल आयोजन

आज घनश्याम मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल विद्यालय परिसर में जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से रूबेला टीकाकरण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को रूबेला जैसी संक्रामक बीमारी से सुरक्षित करना तथा स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाना है।
स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित मेडिकल टीम द्वारा विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों को रूबेला का टीका लगाया गया। टीकाकरण की प्रक्रिया पूर्णतः सुरक्षित, व्यवस्थित एवं स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप संपन्न हुई। विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने भी अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।
अभिभावकों को पूर्व सूचना देकर उनकी सहमति प्राप्त की गई तथा बच्चों को टीकाकरण के लाभों के विषय में जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि समय पर टीकाकरण से बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है।
विद्यालय प्रबंधन ने गाजियाबाद की स्वास्थ्य टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम विद्यार्थियों के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यह अभियान सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय कला रंग भारती एवं आराध्या प्रकाशन के लिखित पुस्तक बुक अश्फ लाइफ के चतुर्थ संस्करण का विमोचन किया गया

विजडम इंडिया संवाददाता।
मेरठ।राष्ट्रीय कला रंग भारती एवं अराध्या प्रकाशन के तत्वाधान में डॉ कुमार प्रशांत मानव द्वारा लिखित पुस्तक बुक ऑफ लाइफ के चतुर्थ संस्करण का विमोचन रघुनाथ गर्ल्स इंटर कॉलेज में किया गया, कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भाग लिया, इसके साथ साथ विद्यालय में आये मुख्य अतिथि प्रदीप अग्रवाल व विद्यालय की प्राचार्य डॉ. रजनी रानी शंखधार का शाल ओढ़ा कर स्वागत सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन की विधिवत शुरूआत

डा. शुभम त्यागी की सरस्वती वंदना से किया। सुदेश यादव दिव्य जी ने कहा-
संभल कर बोलना हमसे बहुत मुंहजोर हैं हम भी,
बुलंदी पर खड़े थे तुम तो आता दौर हैं हम भी।
डुबाने के सनम तेवर दिखाना सोच कर हमको,
अगर दरिया तुम्हें कहते तो गोताखोर हैं हम भी। कवयित्री ऋचा सिंह प्रकाश जी ने कहा-
यह जीवन संग्राम अधूरा गर रुधिर कभी ना खौला हो,
आतंकी घटनाओं पर यदि कलम ने कुछ ना बोला हो,
जल थल नभ शौर्य पराक्रम जो है वो तो है सो है
भारत की एक एक बेटी भी सिंदूरी बम का गोला है । प्रदीप अग्रवाल ने कहा-
रईसों से शहर भरा पड़ा है सुकून से मालामाल कोई कोई है ,
कोई विरला ही है विचारहीन है यहां
जिसकी खुद से मुलाकात होती है । डॉ शुभम त्यागी ने कहा-
शहीदों की चलो मिलकर के कोई बात हो जाए,
भले अब दिन निकल जाए भले ही रात हो जाए,
कहानी राजा रानी की ना मां हमको सुनना तुम,
कहानी अब शहीदों की नई सौगात हो जाए । संजीव त्यागी ने निडर ने कहा-
सरहद का दीवानापन हो उसको सैनिक कहते हैं ,
जो शत्रु की छाती चीरे उसको सैनिक कहते हैं ,
देशप्रेम की बहती ज्वाला और तिरंगे की खातिर ,
जो मृत्यु का आलिंगन करता उसको सैनिक कहते हैं। ईश्वर चंद गंभीर ने कहा- दो अतिथि घर आ गए उन्हें कराया भोज,
आना था मंदिर मुझे नहीं गया उस रोज । संजय जैन सत्यम ने कहा- पहला रंग केसरी जो त्याग बलिदान है,
देश के जो जन गण मन का बढ़ाए मान है,
दूसरा सफेद रंग द्वेष के निशान का है ।
अभिमान का मिटाए जो बढ़ाए मान है संजय जैन जी द्वारा कविता कही गई । नीलम मिश्रा तरंग ने कहा-
जिगर पे उसने दुश्मन का लोहा खाया होगा ,
मां भारती ने भी अपना आंचल फैलाया होगा
अश्क भी छलक आए होंगे!
कार्यक्रम में अनिरुद्ध गोयल, संजय शर्मा , इन्दिरा , राम अवतार त्यागी, रजनीश शर्मा आदि का सहयोग रहा।

साक्षर होने के साथ सरस होना अनिवार्य है - पूज्य पाराशर जी महाराज

प्रयागराज के बभनपुर में श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) उपरोक्त बाते ग्राम बभनपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम सत्र में पूज्य श्याम सुन्दर पाराशर महाराज ने कही। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब देखने को मिला। कथा का रसपान पूज्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर जी महाराज के ओजस्वी एवं भावपूर्ण वाचन से कराया गया। उनके श्रीमुख से निकली कथा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजक तीर्थ राज सिंह की प्रमुख भूमिका रही। यह कथा 9 फरवरी से 15 फरवरी तक आयोजित हो रही है। कथा स्थल पर धार्मिक वातावरण, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। कथा का आयोजन जय महादेव कोल्ड स्टोर के मैदान में हुआ। इस अवसर पर राघवेंद्र प्रताप सिंह, ऋषि, अखिलेश, शिवम सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कथा के समापन पर हुई भव्य आरती में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आरती के दौरान विनोद द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।
कुल मिलाकर, यह धार्मिक आयोजन बभनपुर में आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया। श्रद्धालुओं ने कथा के माध्यम से आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण

हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी।बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उस पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलायेंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी. उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की माँग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की माँग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मो. यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की माँग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं। लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आई सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रूख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख खघलिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुखः अपनाया, उससे तारिक के मन की गाँठ खुली है। खघलिदा के शोक के वक्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है। इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी।खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी

दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है।हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कर चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है।चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रहीं हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। जिसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगो ने मतदान ही नहीं किया। ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 से प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। गौर करने की बात है कि बीएनपी की अगुआई वाले गठबंधन में पार्टी जमात–ए–इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीपीए और जातीय पार्टी शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि बीते चुनाव में बीएनपी को 25 से प्रतिशत मत ही मिले और इतने कम वोट से ही वह सत्ता संभालने जा रही है। इसका संदेश साफ है कि हसीना का ष्वोट बैंकष खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है।आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के खिलाफ बगावत के बीज उनके आखिरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है। शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है।

सम्पादकीय

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो–दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा। इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए।उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पधात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर–बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

अजित डोवाल को भी श्रेय

हिसाब से बातचीत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल की टीम कर रही थी लेकिन श्रेय श्सबसे ऊपर स्ेच्य, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है तो उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को भी श्रेय दिया जा रहा है। गोयल ने समझौते की जानकारी देने के लिए जब पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी दोस्ती का फायदा उठा कर भारत के लिए एक बहुत लाभकारी समझौता कराया है। सोचें, 140 करोड़ लोगों के देश की क्या हैसियत है, जब उसके प्रधानमंत्री को अपनी निजी दोस्ती के सहारे देश का काम कराना पड़ रहा है!

गोयल के इस बयान के एक दिन बाद विदेशी मीडिया समूह ब्लूमबर्ग ने एक खबर दी, जिसे भारत में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल पिछले साल सितंबर में अमेरिका के दौरे पर गए थे, जहां वे मार्को रूबियो से मिले। बताया गया है कि डोवाल ने रूबियो से कहा कि भारत किसी दबाव में समझौता नहीं करेगा। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक डोवाल ने कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो भारत ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करेगा। खबर में यह भी बताया गया कि उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। खबर के मुताबिक इससे अमेरिका दबाव में था और डोवाल की बातों ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया कि वह भारत से समझौता करे।
अब चाहे श्सबसे ऊपर क्ेच्य मोदी की ट्रंप से दोस्ती के कारण हुआ या एनएसए डोवाल के दबाव के कारण हुआ या भारत के 140 करोड़ लोगों के विशाल बाजार की वजह से हुआ लेकिन समझौता हुआ तो उसमें क्या प्रावधान है, क्या शर्तें हैं यह भी किसी को पता नहीं है? सब कह रहे हैं कि किसानों और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका में एक के बाद एक मंत्रियों ने दावा किया है कि उनके कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाजार खुल रहा है। सबसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा कि भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। इसके बाद अमेरिका की कृषि मंत्री ब्रुक रॉलिन्स ने भी कहा कि भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खुलेगा। भारत के बाजार में अपना माल बेचने के लिए अमेरिका में कृषि सेक्टर को और मजबूत करने की चर्चा शुरू हो गई है। इधर भारत में दूसरी ही बात कही जा रही है। इस बीच सूत्रों के हवाले से यह खबर भी आने लगी है कि भारत जेनेटिकली मोडिफायड फूड्स, सोयाबीन और गन्ना को छोड़ कर दूसरे उत्पादों के लिए कुछ ढील दे सकता है। प्रोसेस्ड फूड आइटम्स को भारत के बाजार में कम या जीरो शुल्क पर आने की मंजूरी मिल सकती है।ट्रंप का दो टूक कहना है कि भारत अब अमेरिकी सामान पर जीरो टैरिफ लगाएगा। ट्रंप बार बार कहते रहे हैं कि दुनिया भर के देश अमेरिका से अब तक कमाई करते रहे हैं और अमेरिका घाटा उठाता रहा है।

विश्व-रंग फ्रिट्ज हाबर रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई–बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे–पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली।पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर–परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं रू पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतरू उसे सन 1918 में रसायन–विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन–उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चौंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फ्रिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संशिलष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चौंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया।

विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग–रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ–साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतरू तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बरर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिटज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राईड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता–पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892–94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय–निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर–बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था, कृत्रिम अमोनिया के उत्पादन ने उर्वरक–परिदृश्य को बदल दिया। अन्न उत्पादन में क्रांति हुई। अनुमान है कि इससे विश्व की आधी आबादी को भूख से निजात मिली। आज संश्लेषित नत्रजन–उर्वरकों का उत्पादन 100 मिलियन टन से ज्यादा है। विश्व की आधी से अधिक आबादी के लिए अन्न उत्पादन इन्हीं उर्वरकों पर अवलंबित है और यह हाबर–बॉश प्रक्रिया से संभव हो सका है।

यह है हाबर के व्यक्तित्व का सकारात्मक पहलू, लेकिन उसके व्यक्तित्व का एक और विलोम पहलू भी है। इसी की बदौलत उसे रासायनिक युद्धकर्म का जनक कहा जाता है। फ्रिटज को प्रथम विश्वयुद्ध में क्लोरीन और जहरीला गैसों को आयुध के तौर पर इस्तेमाल का श्रेय जाता है। उसने पहले पहल वायु से गुरू (भारी) क्लोरीन का लाम पर उपयोग की पहल की। यप्रेस की दूसरी जंग में फ्रेंच और अल्जीरियाई सैनिकों ने खंदकों का अलंध्य मोर्चा बांध रखा था। जर्मन फौजों ने क्लोरीन के गोले छोड़कर दुश्मन को मात दे दी। भारी क्लोरीन से खंदकें ढंक गयी और फौजियों का दम घुट गया। फ्रिट्ज के इस हथियार का दुश्मन के पास कोई जवाब नहीं था। यह मत सोचिये कि विश्वयुद्ध में यह वैज्ञानिक प्रयोगशाला तक सीमित रहा। प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ने पर उत्साहपूरित फ्रिट्ज अक्टूबर, 1914 में उस मैनीफेस्टो पर दस्तखत करने वाले 92 जर्मन बुद्धिजीवियों में एक था, जिसने स्कूलों और कॉलेजों में युद्धोन्माद पैदा किया। वह सन 1907 के हेग कन्वेंशन की रसायनों के युद्ध में उपयोग की वर्जनाओं को धता बताने वालों में अग्रणी था। लैब में बैठने के बजाय वह फौज में शरीक होकर मोर्चे पर जा पहुंचा और उसने रासायनिक हमले का उत्साहपूर्वक संचालन किया। मोर्चे पर फतहयाब होने पर उसे कैप्टेन के तौर पर प्रोन्नत कर युद्ध मंत्रालय में रसायन विभाग का मुखिया बना दिया गया। बेल्जियम में यप्रेस की जंग में उसकी संलिप्तता का आभास इससे लगाया जा सकता है कि मोर्चे पर मौजूदगी के अलावा उसने इस अभियान के लिए 150 से अधिक वैज्ञानिकों और 1300 तकनीशियनों का टोला तैयार किया। ओट्टो पीटरसन की कमान में गैस युद्ध के लिए जिन दो रेजीमेंटों की भर्ती हुई, उसके परामर्शदाता हाबर और आटो हान थे। यही नहीं, हाबर ने विशेष फिल्टरयुक्त मास्क बनाने में भी अहम भूमिका निभायी, जिनसे जहरीली गैसों से बचा जा सकता था। उसने वह हाबर नियम भी प्रतिपादित किया, जिसमें जहरीली गैसों की सांद्रता और उनकी मारक क्षमता व समय में गणितीय संबंध दर्शाया गया था। उसकी मान्यता थी कि शांति के समय वैज्ञानिक विश्व का होता है, लेकिन युद्ध के दौरान वह राष्ट्र का होता है। उसका कहना था कि मौत तो मौत है। विषाक्त गैसों की युद्ध में हिमायत करते हुए उसने लोहे के उड़ते टुकड़ों (गोलियों) के मुकाबले जहरीलों गैसों को कम निर्दय बताया। उसका तर्क था कि विषाक्त गैस से मृत्यु जल्द होती है और पीड़ा कम।
रसायन को मौत का परवाना बनाने का हाबर का खौफनाक खेल यहीं खत्म नहीं होता। उसके कीमिया ने रसायन से मौत का रास्ता खोल दिया। उसका काम जाइक्लोन बी कीटनाशक विकसित करने का आधार बना। इसका इस्तेमाल होलोकास्ट में हुआ। इससे गैस चौम्बरों में दूसरे विश्वयुद्ध में लाखों यहूदी मारे गये। हाबर की जहरीली सोच के साथ उसके दांपत्य–जीवन का त्रासद प्रसंग भी जुड़ा हुआ है। सन 1889 में हाबर की मुलाकात क्लारा इम्मवाहर से हुई, जो एक शक्कर कारखाने के मालिक रसायनज्ञ की बेटी थी। क्लारा ब्रेस्लाऊ विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री में पीएचडी पहली महिला थी। उसने भी 1897 में बपतिस्मा ले लिया था। अगस्त, 1901 में हाबर और क्लारा भी शादी हुई और अगले ही वर्ष पुत्र हर्मन का जन्म हुआ।
शादी के करीब 14 साल बाद दो मई, 1915 की बात है कि क्लारा ने हाबर से बहस के बाद बगीचे में पति की रिवॉल्वर से खुद के सीने में गोली दाग ली। अनुमान है कि यह आत्महत्या पति–पत्नी के बीच तर्क–वितर्क और तकरार का नतीजा थी। क्लारा स्वयं रसायनज्ञ थी। वह शांतिप्रिय विदुषी महिला थी और उसे नरहसंहार के लिए रसायनों का उपयोग नापसंद था। यप्रेस की लड़ाई में हाबर की भूमिका क्लारा की हताशा बनी। फ्रिट्ज के क्लोरीन–आयुध से 67,000 से अधिक जने हताहत हुये थे। बहरहाल, फ्रिट्ज पर क्लारा की खुदकुशी का कोई असर नहीं पड़ा और वह अंत्येष्टि का जिम्मा औरों पर छोड़कर रूसी सेना के खिलाफ गैस–रिलीज की देखरेख के लिए पूर्वी मोर्चे को रवाना हो गया। उस पर जर्मन राष्ट्रवाद और युद्धोन्माद तारी था। क्लारा की मौत को दो ही साल बीते थे कि फ्रिट्ज ने बर्लिन में 25 अक्टूबर को शार्लोट नाथन नामक महिला से शादी कर ली। एक तो उम्र का अंतर और फिर विचारों का टकराव। फलतरू 6 दिसंबर, 1927 को दोनों का तलाक हो गया।प्रथम विश्वयुद्ध में गैसयुद्ध वस्तुतरू दो रसायनज्ञों का मुकाबला भी था। फ्रिट्ज का मुकाबला फ्रेंच रसायनज्ञ विक्टर ग्रिग्नार्ड से था और दोनों ही नोबेले से नवाजे गये। बहरहाल, दूसरे विश्वयुद्ध से पहले रासायनिक हथियारों के लिए हाबर की तीखी आलोचना हुई उसके आलोचकों में अल्बर्ट आइंस्टीन भी थे। विश्वयुद्ध के बाद भी फ्रिट्ज रासायनिक हथियारों के विकास में संलग्न रहा। उसे जापानी व्यावसायी होशी हाजीमे के कैसर विल्हेम सोसायटी को दान में दिये दो मिलियन राइशमार्क के प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस–पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

वृष राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक–झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा।

मिथुन राशि'–
आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, इससे नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा,

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

सिंह राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे।

तुला राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं,

धनु राशि–
आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। किसी पार्क में परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे।

कुम्भ राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत, तीन घायल

श्रावस्ती । सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक की हालत नाजुक होने पर उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गिलौला थाना क्षेत्र अन्तर्गत तिलकपुर मोड़ स्थित बंजारन पुरवा के पास शनिवार देर रात गिलौला कस्बा निवासी दुर्गा प्रसाद उर्फ रवि की टाटा ईवी कार की बैटरी खत्म हो गई थी। सूचना मिलने पर उनके भाई सुनील और आशीष गुप्ता दूसरी गाड़ी लेकर पहुंचे थे और रस्सी के सहारे कार को टोचन कर घर ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी बीच स्थानीय निवासी 32 वर्षीय ओम प्रकाश गुप्ता उर्फ मिठाई वाले भी मदद के लिए मौके पर मौजूद थे। टोचन के दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रतार अज्ञात वाहन ने दोनों कारों में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और घटना स्थल पर अफरा–तफरी मच गई। हादसे में गिलौला बाजार निवासी ओम प्रकाश गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्गा प्रसाद उर्फ रवि, उनके छोटे भाई सुनील और आशीष गुप्ता घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गा प्रसाद की

हालत गंभीर देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में कर रही है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

कप्तान साहब- कही भरे ट्रक से माल गायब तो नहीं हो गयी? 360 बोतल की बरामदगी पर पुलिस कटघरे में

हजम नही हो रहा है ट्रक मे सिर्फ 360 बोतल की पुलिसिया कहानी।

कुशीनगर, । बीते दिनो जिले के पडरौना कोतवाली पुलिस ने बिहार बॉर्डर स्थित बांसी पुलिस चौकी के पास एक ट्रक से 360 बोतल पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद कर अंतरराज्यीय तस्करी का खुलासा करने का दावा किया था। लेकिन इस कार्रवाई के बाद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या वाकई ट्रक में सिर्फ 360 बोतल थीं, या फिर भरी ट्रक से बाकी माल गायब कर दिया गया? यही वजह है कि बरामदगी की मात्रा और ट्रक के उपयोग के बीच का अंतर पुलिस की कहानी पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है।

पंजाब से बिहार तक सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करने वाला ट्रक सामान्यतरू बड़ी खेप ढोता है। ट्रक का भाड़ा, डीजल, टोल टैक्स, ड्राइवर खर्च सब मिलाकर लाखों का खर्च स्वभाविक है। ऐसे में लगभग दो लाख रुपये कीमत की 360 बोतल शराब लेकर इतना लंबा सफर करना आर्थिक दृष्टि से अव्यावहारिक लगता है। जानकारों की माने तो तस्करी का धंधा जोखिम और मुनाफे के संतुलन पर चलता है। ऐसे मे सवाल उठना लाजमी है कि क्या कोई संगठित गिरोह इतनी छोटी खेप के लिए पूरा ट्रक दांव पर लगाएगा?इनसेट–– पुलिसिया कहानी की क्या है जमीनी हकीकतरू– पुलिसिया कहानी में बताया गया है कि गिरफ्तार आरोपी संगठित गिरोह से जुड़े हैं और पंजाब व चंडीगढ़ से शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामो पर बेचते थे। लेकिन गिरोह का सरगना कौन है? इसकी जानकारी पुलिस ने खुलासे मे नही किया है। इनसेट–– सप्लाई चेन में और कौन शामिल है?रू– महत्व पूर्ण सवाल यह भी है कि पुलिस के हत्थे चढे दोनो तस्कर ट्रक मे भरकर ले जा रहे शराब बिहार में किसको देने वाले थे? क्या वह सडक के किनारे ट्रक खडा कर शराब बेचने वाले थे? क्या पहले भी इस रूट से खेप गई है? ऐसे तमाम सवाल है जिसका जबाब पुलिस के पास भी नही है। स्थानीय लोगो में चर्चा के अनुसार यह भी सवाल उठ रहा है कि कहीं ट्रक में वास्तविक मात्रा पुलिस द्वारा किये गये खुलासे 360 बोतल से अधिक तो नहीं थी? क्योंकि ट्रक में महज 360 बोतल की पुलिसिया कहानी किसी को हजम नही हो रही है। क्या जब्ती सूची पूरी है?घ्क्या बरामदगी की वीडियोग्राफी हुई? क्या स्वतंत्र गवाह मौजूद थे? ऐसे तमाम सवाल मुंह बाये खडे है। सवाल यह भी उठता है कि जब ट्रक की क्षमता और बरामदगी की संख्या में इतना बडा अंतर हो, तो संदेह और सवाल उठना स्वाभाविक है।

इनसेट–– जवाबदेही जरूरीरू– यह मामला सिर्फ 360 बोतलों का नहीं, बल्कि पुलिसिया कार्रवाई की विश्वसनीयता का है। यदि वास्तव में बड़ी तस्करी पकड़ी गई है तो पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए। और यदि खेप छोटी थी, तो ट्रक के उपयोग का ठोस कारण सामने आना चाहिए।

महिलाओं बालिकाओं को अधिकारों के प्रति लोगो को किया गया जागरूक

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' के निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज 5.0) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम तथा क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति टीमों व शक्ति मोबाइल टीम द्वारा गांवों, कस्बों व विभिन्न सार्वजनिक स्थानो पर उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को. मिशन शक्ति फेज 5.0 के उद्देश्य एवं महिला सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों की जानकारी, महिलाओं के अधिकार एवं लैंगिक समानता, साइबर अपराध से बचाव के उपाय, "गुड टच–बैड टच" के विषय में जागरूकता प्रदान की गई तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे 'विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' की दी गई जानकारी।

मसूड़े जितने मजबूत होंगे, दांत भी उतने ही मजबूत रहेंगे डा. चारु टंडन

बाराबंकी। देवा रोड स्थित गांधी भवन में रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर इण्डियन डेन्टल एसोसिएशन, बाराबंकी के तत्वावधान में सेवादार मंडल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क दांत जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 70 मरीजों के दांतों की जांच कर उन्हें दवाएं दी गईं। इण्डियन डेन्टल एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. चारू टंडन ने मरीजों के दांतों का परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि दांतों में पायरिया और अन्य बीमारियों से बचने के लिए अच्छे मेडिकेटेड ब्रश और पेस्ट का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दांतों की देखभाल की जितनी जरूरत होती है उतनी ही जरूरत मसूड़ों की देखभाल की भी होती हैं। क्योंकि मसूड़े जितने मजबूत होंगे, दांत भी उतने ही मजबूत रहेंगे। डॉ. टंडन ने सेवादार मंडल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यो को सराहा। उन्होंने कहा आगे भी सेवादार मंडल चौरिटेबल ट्रस्ट के साथ सहयोगी बनकर इण्डियन डेन्टल एसोसिएशन सामाजिक कार्यक्रमो में बढ़चढ़कर भाग लेगा। डॉ. कुमार आदित्य ने मरीजों को सलाह देते हुए कहा कि दांतों को स्वच्छ रखने और होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए दिन में कम से कम दो बार ब्रश अवश्य करें। दांतों की सुरक्षा और पायरिया जैसी बीमारियां दांतों को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे लोग अक्सर दांत दर्द से परेशान रहते हैं। शिविर के संयोजक एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष साकेत मौर्य ने कहा कि हमें पीड़ित मानवता की सेवा के लिए किए जाने वाले सामाजिक कार्यो में बढ़–चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

स्वर्ण व्यवसाई से असलहे के बल पर लाखों की लूट, पुलिस मामले की जांच में जुटी

कुशीनगर (आरएनएस)। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आ रहे है। कार सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर बीते देर शाम एक स्वर्णकार व्यवसायी से लाखों रुपये के जेवरात एवं नगदी लूट लिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है। जानकारी के अनुसार नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के देवतहा गांव के सहबजवा टोला स्थित बगीचे के पास शनिवार देर शाम हुए स्वर्ण व्यवसायी से कार सवार बदमाशों द्वारा कनपट्टी पर असलहा सटाकर करीब लाखो रुपये के आभूषण एवं नकदी लूटे जाने की घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक केशव कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। एसपी के निर्देश पर स्वाट टीम, सर्विलांस टीम सहित कुल पांच टीमों का गठन किया गया है। टीमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान और संभावित रूट की ट्रैकिंग में जुटी हैं। पीड़ित सेमरा गांव निवासी भीम वर्मा जिनकी देवतहा बाजार में 'अनिश ज्वेलर्स' नामक दुकान है, ने बताया कि बैग में 95 ग्राम सोना, दो किलो चांदी और 20 हजार रुपये नकद थे। प्रभारी निरीक्षक चंद्रभूषण प्रजापति ने तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया है। आज रविवार को पुलिस टीम घटना स्थल और दुकान पर पहुंचीं, एक–एक बिंदु की गहन जांच की गई। साथ ही महाराजगंज जनपद की ओर जाने वाले मार्गों पर लगे कैमरों की भी पड़ताल की जा रही है। एडीशनल एसपी सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि तीन थानों की पुलिस संयुक्त रूप से जांच में लगी है। जबकि सीओ विरेंद्र सिंह ने कहा कि पल–पल की मॉनिटरिंग की जा रही है और लूट में शामिल बदमाशों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि थाना दूरी अधिक होने के कारण रात्रि गश्त कमजोर रहती है। पुलिस ने जल्द खुलासे का भरोसा दिलाया है।

आबादी के अनुपात में नहीं मिल रहा पसमांदा समाज को हिस्सेदारी वसीम

गांधी भवन में आयोजित हुआ आल इण्डिया पसमांदा मुस्लिम महाज का जिला स्तरीय सम्मेलन

बाराबंकी। मुस्लिम पसमांदा समाज को भारत की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां उनकी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं देती हैं। इसी कारण पसमांदा मुस्लिम समाज किसी भी सरकार में मुनासिब नुमाइंदगी से महरूम रह जाता है। उक्त विचार ऑल इण्डिया पसमांदा मुस्लिम महाज द्वारा आयोजित गांधी भवन में महाज के जिलाध्यक्ष हाजी नूरुल हसन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि ऑल इण्डिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने रख। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत कुछ हिंदू पिछड़ी जातियों को उनकी आबादी से अधिक प्रतिनिधित्व मिल जाता है, इसी कारण सरकार में भी उनका हिस्सा उनकी आबादी के अनुपात से अधिक रहा है। पिछले करीब तीन दशकों का उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास यही बता रहा है। मुस्लिम पसमांदा समाज के बीच उन जातीयों को जोड़ कर बना एक संगठन है जिनको उनकी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं मिला। अन्सारी, राईन, मंसूरी और सलमानी, धोबी, फकीर, मनिहार, हलवाई, नट, बंजारा आदि है। सभी बिरादरी को कोई पार्टी समुचित स्थान देने को तैयार नही हैं पार्टियों का कहना है कि उन्हें मुस्लिम वोट मिलता है। यह अशराफ (स्वर्ण) तबके का फैलाया हुआ भ्रमजाल है ताकि उनकी नेतागीरी बनी रहे। पसमांदा मुसलमानों को कभी सेक्युलरिज़्म के नाम पर समाज का नेता न चुनने की मजबूरी होती है तो कभी शायरी की वजह से मन मसोस कर बैठ जाना पड़ता है। इन हालात को हमेशा इसी तरह का बनाए रखने के लिए मुस्लिम अशराफ सियासी दलों के आला कमान को तरह तरह से 'मुस्लिम वोटों' का प्रलोभन देने में सफल होते रहे हैं। पसमांदा मुस्लिम समाज के बीच से आने वाली लीडरशिप पर सवालिया निशान भी यही लोग लगाते हैं। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज सभी सियासी दलों के आलाकमान से मांग करता है कि पसमांदा मुस्लिम बिरादरियों के नेताओं को उनकी आबादी के अनुपात में समुचित नुमाइंदगी देना सुनिश्चित करे ताकि पूरे मुस्लिम समाज को सामाजिक न्याय के अंतर्गत भागीदारी मिल सके। विशिष्ट अतिथि ऑल इण्डिया पसमांदा मुस्लिम महाज राष्ट्रीय महासचिव वकार हवारी ने कहा हाथ से सिंचाई शुरू करके बिजली से सिंचाई करने वाले किसानों का बिजली बिल उ0प्र0 सरकार ने माफ कर दिया है जो कि एक सराहनीय काम है। अब बात ये कि हथकरघा से बुनाई शुरू करके बिजली से बुनाई करने वाले बुनकर हस्तकला को पूरे भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व मे प्रात्साहित कर रहे हैं। इस अवसर पर महाज के जिला महामंत्री नूर मोहम्मद राईन सहित महाज के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे मण्डी अध्यक्ष इकराम राईन, मालिक समाज जिला अध्यक्ष इरसाद मलिक, कुरैशी समाज के अध्यक्ष सादाब कुरैशी, घुमंतू समाज के अध्यक्ष गयादीन लोधी, निसार राईन, गुफरान राईन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य इसराईल अंसारी सहित पांच सैकड़ा लोग उपस्थित रहे।

अंतरजनपदीय बिजली तार चोर गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

गूगल मैप से पावर हाउस ढूंढकर करते थे चोरी, भारी मात्रा में विद्युत तार बरामद

बाराबंकी। पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक टन से अधिक विद्युत तार और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर स्वाट सर्विलांस और थाना सफदरगंज की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने सफदरगंज थाना क्षेत्र के रसौली अंडरपास से पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में इरफान अली उर्फ मुजफ्फर (रामपुर), वसीम व परवेज (बरेली), आरिफ (रामपुर) और आसिफ (पीलीभीत) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया। इसमें 16 बंडल एल्युमीनियम विद्युत तार (लगभग 5 कुंतल), 4 बंडल तांबे के तार (लगभग 1.09 कुंतल), 9 बंडल केबिल छिलका (लगभग 3.17 कुंतल) और 4 बोरी तांबे का तार छिलका (लगभग 1.05 कुंतल) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 3 तार कटर, 1 प्लास, 1 छोटी वेल्डिंग मशीन, 1 अर्टिगा कार, 1 महिंद्रा पिकअप, 5 मोटरसाइकिलें, 20 प्लास्टिक कुर्सियां और 3200 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह का सरगना इरफान अली है। आरोपी पहले गूगल मैप्स की मदद से बिजली घरों की लोकेशन ढूंढते थे। इसके बाद, वे मोटरसाइकिल पर कुर्सी बेचने के बहाने मौके पर पहुंचकर रेकी करते थे। रात में तार चोरी करने के बाद, वे उन्हें लखनऊ स्थित एक किराए के गोदाम में ले जाकर छीलते थे और फिर पिकअप वाहन से दिल्ली के कबाड़ बाजार में स्क्रैप के रूप में बेच देते थे। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य वांछित आरोपी नूर हसन, जावेद, वाहिद व सुनील कुमार की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

गाजे-बाजे के साथ निकाली शिव बारात

बाराबंकी। महाशिवरात्रि के पर्व पर रविवार को जिले में भोर से लेकर देर रात तक भक्ति के उल्लास का माहौल रहा। लोग शिवभक्ति में रमे रहे। अबीर–गुलाल उड़ा। शहर से लेकर गांन तक के गली–मोहल्लों में स्थित शिवालयों में श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। शहर के कैलाश आश्रम, नागेश्वर नाथ, दुग्धेश्वर महादेव, शिवमंदिर लखपेड़ाबाग, देवा के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, हैदरगढ़ के अवसानेश्वर महादेव मंदिर, किला स्थित किलेश्वर महादेव मंदिर, त्रिवेदीगंज क्षेत्र के सोनेश्वर महादेव मंदिर, शिवनाम, जंगलेश्वर महादेव मंदिर, त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर तिलोकपुर, सुबेहा क्षेत्र के कालेश्वर धाम कैथी, हैदरगढ़ कस्बा स्थित रामेश्वरम शिवाला, रामसनेहीघाट क्षेत्र में बुढ़वा बाबा मंदिर तासीपुर, नर्मदेश्वर महादेव हनुमंत वाटिका गाजीपुर, बनीकोडर के सिल्हौर स्थित जागेश्वर महादेव मंदिर, जरौली स्थित श्री कृपालेश्वर महादेव मंदिर में आये शिवभक्त पूरी तरह से शिवभक्ति में डूबे दिखाई दिए। बुढ़वा बाबा मंदिर तासीपुर में राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने पूजा अर्चना की। वहीं शहर में नागेश्वरनाथ मंदिर से निकली शिव बरात में जहां एक और मंगलगीत गूंजे ती वहीं बराती झूम उठे। भगवान भूतभावन के दूल्हा स्वरूप और उनके गणों के स्वरुप के दर्शन के लिए सभी मार्गों पर लोग डटे रहे। इस दौरान हर कोई शिवभक्ति से ओतप्रोत दिखा। बंकी में ओम नगर नई बस्ती में शक्ति माता मंदिर पर शिव जाप, शोभा यात्रा और भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने शहर के सुप्रसिद्ध एवं प्राचीन श्री नागेश्वर नाथ मंदिर पहुँचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। जनता की खुशहाली के लिए प्रार्थना तथा शिव बारात को शहर भ्रमण के लिए रवाना किया। विधायक ने मंदिर में विधि–विधान से देवाधिदेव महादेव का पूजन और जलाभिषेक किया।

इस अवसर पर उन्होंने भगवान शिव से समस्त जनपदवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की। पूजन के उपरांत विधायक सुरेश यादव शहर में निकाली गई भगवान भोलेनाथ की भव्य शिव बारातश् में भी सम्मिलित हुए। ढोल–नगाड़ें और भक्ति भजनों के बीच विधायक ने शिव भक्तों का उत्साहवर्धन किया।

पटाखे से मकान में हुआ विस्फोट परखच्चे उड़े,एक की मौत कई घायल

रायबरेली। सलोन में शुक्रवार की रात कोतवाली क्षेत्र के साहबगंज बाजार निवासी आतिशबाज यूनुस के मकान में अचानक हुए पटाखे के विस्फोट से मकान के पर खच्चे उड़ गए। धमाका इतना तेज था कि आसपास के आधा दर्जन से अधिक मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में एक 60 वर्षीय महिला की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।वही एक महिला वह 15 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हुआ है। इस घटना की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कई घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया है । क्षेत्र के रायबरेली प्रतापगढ़ मार्ग स्थित साहबगंज बाजार निवासी आतिशबाज मोहम्मद यूनुस पटाखा बनाने का कारोबार करता है । रोज की भांति बीते शुक्रवार को भी वह अपने परिवार के साथ घर के अंदर था। तभी अचानक रात लगभग 2रू00 बजे तेज आवाज के साथ कई बार तेज धमाका हुआ । धमाका इतना तेज था कि आसपास में रहने वाले लोग अपने घरों से निकलकर बाहर भाग रहे थे तथा अपने बचाव के लिए आवाज लगाने लगे । देखते देखते घटनास्थल पर सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गई वहां पहुंचे लोगों ने इस घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को तथा 112 नंबर पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग बुझाने में जुट गईध। आग इतनी तेज थी कि जिले से दूसरी गाड़ी मंगाना पड़ा। कई घंटे के मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोग मकान के अंदर घायल हुए लोगों को बाहर निकाला जिसमें लगभग 65 वर्षीय मोहम्मद यूनुस तथा 60 वर्षीय उनकी पत्नी अख्तरी बहु रूबी बनो 35 वर्ष लकी 15 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे उन्हें आनन फानन में एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलोन ले जाया गया वहां इलाज के दौरान अख्तरी की मौत हो गई । वही मोहम्मद यूनुस, रूबी बानो ,लकी, को गंभीर रूप से घायल होने के कारण जिला चिकित्सालय डॉक्टरों ने रेफर कर दिया है । वहां उनका इलाज चल रहा है। मकान में हुए विस्फोट से आसपास के निवासी रवि कुमार, रामप्रताप, रामनरेश, रामचंद्र, राम प्रसाद, रामशंकर, राममिलन, समेत 07 लोगों का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मकान की छत व दीवाल पूरी तरह फट गई है । मकान का मलवा गिरने से घरेलू गृहस्थी व मोटरसाइकिल समेत कई लाख का नुकसान बताया जा रहा है। अभी लोग अपने घरों के अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं उनको दहशत बनी है कि कहीं फिर ना विस्फोट हो जाए। इस घटना की जानकारी होते ही घटनास्थल पर उप जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश तहसीलदार दीपिका सिंह क्षेत्राधिकारी यादवेंद्र बहादुर सिंह प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर इस मामले की जांच पड़ताल मे जुट गए। एस डी एम चंद्रप्रकाश ने तहसील के कर्मचारियों को क्षतिग्रस्त हुए मकानों व उसके नुकसान का आकलन करा रहे हैं। फिलहाल यह घटना एक अबूझ पहेली बना हुआ है की इतना बड़ा विस्फोटक मकान के अंदर क्यों रखा गया था । शायद घर के अंदर विस्फोटक पदार्थ न होता तो यह घटना घटने से बच सकती थी। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के अनुसार मौके पर दो सिलेंडर ब्लास्ट हुए पड़े थे तथा विस्फोटक सामग्री भी मिली है। आग किस कारण से लगी यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। फिलहाल इस घटना की सूचना पर घटना स्थल पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने मौके का जायजा लिया ।

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में रायन इंटरनेशनल स्कूल बना चैंपियन

ऊंचाहार। रायन इंटरनेशनल स्कूल के खेल के मैदान में तृतीय डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग चौंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट्स संघ के महासचिव मंजीत सिंह ने किया । सभी अतिथियों को एनसीसी कैडेट ने विद्यालय द्वार पर गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्या सदफ खान ने सभी अतिथियों का स्वागत बैज लगाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया।खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए महासचिव मनजीत सिंह ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है। स्केटिंग खेल को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने जिले के खिलाड़ियों की तारीफ की कहा जल्द ही यहां के बच्चे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगे।जिला प्रोटोकॉल एवं लाइसनिंग ऑफिसर रामेंद्र मिश्रा ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए ।

डयूटी जा रहे दो सिपाही हादसे में जख्मी

आमने-सामने बाइक से हुई टक्कर, बाइक सवार फरार

रामनगर, बाराबंकी। थाना क्षेत्र के दलसराय में रविवार सुबह एक सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए। आमने–सामने हुई इस टक्कर में ड्यूटी पर जा रहे दो पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामनगर की ओर से बाराबंकी जा रही मोटरसाइकिल पर मसौली थाने के सिपाही सुगम यादव (28 वर्ष) तथा पुलिस लाइन के सिपाही हरिवंश (30 वर्ष) सवार थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से उनकी भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक महिला अनीता (25 वर्ष) निवासी श्रावस्ती चला रही थीं, जिनके साथ मनीष (18 वर्ष) भी सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिर पड़े और सभी को चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। ग्रामीणों की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रामनगर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत को देखते हुए चारों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तीसरे पल्सर बाइक सवार की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई। बताया जा रहा है कि वही बाइक सवार घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस प्रशासन ने लोगों से सड़क पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। वही सिपाही सुगम का इलाज करने के लिए उनके घर वाले कानपुर ले गए हैं सिपाही की एक पैर की हड्डी टूट गई और हाथ फैक्चर हो गया है सबसे ज्यादा चोट इन्हीं को लगी है। थाना प्रभारी रामनगर अनिल पांडे ने बताया सड़क हादसा हुआ है जिसमें एक मसौली का सिपाही घायल है और एक पुलिस लाइन का तहरीर मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेशन पोल से टकराया ऑटो

बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर फतेहपुर–सूरतगंज मार्ग पर ममटामऊ स्थित फतेहपुर की ओर से सूरतगंज आ रहा एक ऑटो अनियंत्रित होकर मार्ग किनारे लगे हाईटेशन पोल में टकरा गया। इससे पोल टूटकर सड़क पर गिर गया। गनीमत रही इस दौरान कोई आवागमन नही कर रहा था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

देश के विकास में सक्रिय जन भागीदारी वाला बजट : चंद्रिका प्रसाद

चित्रकूट। सीआईसी के सभागार में236 चित्रकूट विधानसभा स्तरीय बजट संगोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि जनता ने देखा है कि गरीबों के कल्याण के लिए जिस समर्पण भाव से जनसेवा ही प्रथम सेवा मंत्र को .तार्थ करते हुए हमने जो कार्य किया है उसके कारण 12 साल में 30 करोड़ गरीब गरीबी से बाहर निकले हैं। देश की आजादी के बीते कालखंड में इतने कम समय में इतने लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का सफल प्रयास ही विगत लोकसभा चुनाव में आशीर्वाद का कारण बना। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार उन सिद्धांतों को समर्पित है जिसमें भारत के संविधान के स्क्रिप्ट के अनुसार सर्वप्रथम जन विश्वास को कायम रखते हुए देश की सेवा करने का प्रयास किया है। भारतीय जनतंत्र की गवर्नेंस राजनीति में तब्दील हो गई है। सकारात्मक राजनीति भारत की सांकेतिक संस्ति की भावना को अक्षुण्ण रख सकती है। इस अवसर पर पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा ने कहा कि स्वर्णिम भारत के निर्माण में समाज के सभी वर्गों को सक्रिय सहयोग करना होगा। साथ ही पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश तिवारी, चंद्रप्रकाश खरे, लवकुश चतुर्वेदी, बद्री विशाल त्रिपाठी, कोऑपरेटिव अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, डॉ रणवीर सिंह चौहान ने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग के साथ विकास पद पर आगे बढ़ेंगें। बजट के माध्यम से स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए सभी सहभागी बने। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राजेश जायसवाल ने किया। आभार नगर अध्यक्ष रवि गुप्ता ने माना तथा शंकर दयाल निषाद डॉक्टर फूलचंद राजपूत राम प्रताप सिंह ओमप्रकाश मिश्रा प्रमोद पटेल विद्यार्थी आनंद जायसवाल अंकित शुक्ला एडवोकेट सोनू खंगार अंकित द्विवेदी आदर्श मिश्रा अंश पंडित सुखेंद्र सिंह आईटीसेलजिला प्रमुख राधे परिहार विजय बहादुर सिंह रामसागर चतुर्वेदी रामबाबू गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रामाधीन आर्य और रोशनी रोमा के भजनो ने बांधा समां

चित्रकूट। पहले दिन रामाधीन आर्य मऊरानीपुर झांसी और रोशनी रामा बिसण्डा बाँदा ने भजन सन्ध्या से अपनी ओर रागी लोकगीत लखनऊ लखनऊ के प्रीती लाल, अंजली खन्ना नृत अकर्षित किया आल्हा गायन महोबा के शरद अनुग नाटिका राम की शक्ति पूजा बाँदा की श्रद्धा निगम लोकगीत संजाली पाण्डे व रात्तलीला वृन्दावन के मुद्देव शर्मा ने लोगों को मंचन कराया। संचालन चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित (ललित), महामंत्री करूणा शंकर द्विवेदी ने किया। महामंत्री ने मेले की परिकल्पना करते हुए बताया कि विश्व में अनेक राष्ट्रों में रामायण मेला सम्पन्न होता है लेकिन चित्रकूट में 53वें वर्ष में प्रवेश कर रहा राष्ट्रीय रामायण मेला अन्य मेलों की तुलना में अनोखा होता है। जिससे लोग धर्म और संस्ति कि प्रेरणा लेते है इसी क्रम में ही की एक महिला श्वेता सिंह रामसेन्टर पर्पोट लूई मारिसस चित्रकूट धाम में सम्पन्न हो रहे राष्ट्रीय मेले के अवलोकनार्थ व मेले के उद्देश्यों से सीख लेने पधारी है। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व विधायक दिनेश मिश्रा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश खर्ए, महत मदन गोपाल दास, दिव्यजीवन दास, हेमराज चतुर्वेदी, श्रीलाल पचौरी, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मानस किंकर रामप्रताप शुक्ल आदि मौजूद रहे।

लोडर की टक्कर से युवक की मौत

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। रामनगर नहर के पास तेज रतार लोडर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार धावड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय राम.पाल दवा कराने के लिए बाइक से रामनगर जा रहे थे। रामनगर नहर के समीप पहुंचने पर सामने से आ रहे लोडर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम.पाल सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि रामनगर नहर के पास अक्सर हादसे होते रहते हैं। इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही अधिक है, लेकिन पर्याप्त चेतावनी संकेतक और स्पीड ब्रेकर न होने के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

मंत्री आशीष सिंह पटेल को पुस्तक भेंट करते क्षेत्रीय इतिहासकार डा. शिव प्रेम याज्ञिक, डा संग्राम सिंह।

चित्रकूट। श्री हरिमोहन सिंह इंटर कॉलेज में सांस्तिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल व विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने विद्यालय के टॉपर छात्र, छात्राओं को सम्मानित किया। विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी हुआ। इसके पूर्व मंत्री ने विद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का वैदिक मंत्रोचारणों के बीच लोकार्पण किया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल ने कहा कि विद्यालय के छात्र, छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से यह मालूम हो गया कि यहां के शिक्षक और प्रबंध तंत्र बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। बच्चों में प्रतिभा है और यही वजह है कि प्रदेश की मेरिट में हर साल यहां के बच्चे किसी न किसी स्थान पर अपना नाम दर्ज कराकर विद्यालय का परिवार का जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। इस दौरान प्राविधिक शिक्षा मंत्री एवं अपना दल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष सिंह पटेल से बुंदेलखंड के सुप्रसिद्द इतिहासविद डॉ. शिवप्रेम याज्ञिक ने मिलकर आजादी के अमृत महोत्सव पर आधारित चित्रकूट एवं बाँदा के स्वाधीनता सेनानी विषयक अपनी पुस्तक भेंट की।

माफियाओं से मुक्त कराई भूमि पर बनेगा छात्रावास व ईडी भवन

80 करोड़ की जमीन पर था कब्जा

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के नसीरपुर सिलना गांव में माफिया अतीक अहमद के गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर महिला हास्टल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) व जीएसटी के भवन बनेंगे। इसके लिए प्रशासन की ओर से प्रस्ताव तैयार हो गया है। नसीरपुर सिलना गांव में पांच अन्य सरकारी विभागों को भी जमीन देने का प्रस्ताव तैयार कराया जा रहा है।शहर पश्चिमी क्षेत्र के नसीरपुर सिलना गांव में 14 गाटों के 38 बीघा जमीन के दस्तावेजों में हेरफेर कर माफिया के करीबियों ने कब्जा कर लिया था। सभी जमीन ग्राम सभा की थी। इसकी शिकायत होने पर डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह ने जांच कराई। लगभग दो माह तक चली जांच में माफिया व उसके गुर्गों की करतूतें सामने आ गईं।उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था नियमावली के तहत न्यायालय एसडीएम सदर ने सभी 14 गाटों की लगभग 38 बीघा जमीन की कार्यवाही शुरू कराई तो पता चला कि पूरी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा था। इन गाटों की भूमि की कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये अधिकारियों द्वारा बताई गई है। सभी जमीन के खातेदारों के नाम निरस्त कर न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर ने ग्राम सभा के पक्ष में दर्ज करा दिया। इसके साथ ही पूरी जमीन को कब्जा मुक्त भी करा दिया गया। यह जमीन अमानउल्ला, एकबाल अहमद, गुलाम गौस, इश्तियाक अहमद व मोहम्मद बिटनिया के नाम दर्ज थी। एडीएम नजूल व मुख्य राजस्व अधिकारी संजय कुमार पांडेय ने ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई जमीनों को सरकारी विभागों के भवन बनेंगे।

कोटार शिव धाम में महाशिवरात्रि पर उमड़ा जनसैलाब ,डेढ़ लाख से अधिक भक्तों ने किया जलाभिषेक

मीरजापुर। हलिया के सुप्रसिद्ध कोटार शिव धाम में अदवा नदी के मध्य महाशिवरात्रि पर्व पर डेढ़ लाख से अधिक दर्शनार्थियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मां पार्वती, हनुमान जी का दर्शन पूजन किया। को मंगल आरती के बाद भक्तों ने दर्शन करना शुरू किया दश बजे दिन तक मंदिर के पूरब व पश्चिम तरफ दो सौ मीटर तक पुरूष, महिलाओं की लम्बी कतार लग गयी भक्त हाथ में नारियल, वेल पत्र, गंगा जल, आम के बौर, बैर, धतूर, मंदार पुष्प , दूध, भस्म आदि सामग्री लिए कतार बद्ध हो गए। हरहर महादेव के जैकारे से परिसर गुंजायमान रहा। भक्तों ने जलाभिषेक कर मनोबाक्षित कामनाएं पूर्ण किया। इसके बाद बच्चों ने मेले में लगे झूले का आनन्द लिया व गृह उपयोगी सामान खरीदने के बाद लोग घर वापसी की दिन चढते अचानक मंदिर के पास भीड बढने से पुलिस को दर्शनार्थियों की लाइन लगवाने में कडी मशक्कत करनी पडी।बीस वालेंटियर्स के साथ भक्तों को दर्शन कराने के लिए सहयोग में लगे रहे। मेले में भंडारे का भी आयोजन हुआ जिसमें लोग प्रसाद ग्रहण किए। मंदिर पुजारी जैराम गिरी व शिव राम गिरी,महेश गिरी ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर डेढ़ लाख से ज्यादा भक्तों ने जलाभिषेक व दर्शन पूजन किया है। इस तरह बैधा ,खरिखट, हथेडा, सोनगढ़ा, सिकटा, अहुगी कला, सहित दर्जनों गाव के शिव मंदिरों पर दर्शन पूजन व जलाभिषेक होता रहा। सुरक्षा व्यवस्था में अल सुबह सीओ अमरबहादुर सिंह, थानाध्यक्ष हलिया राजीव कुमार श्रीवास्तव दलबल के साथ लग रहे। नायब तहसीलदार राजू यादव ने मेले में पहुंचकर जायजा लिया। दर्शन पूजन के बाद भक्तों ने लाई जलेबी बास के बर्तन लकड़ी के समान तथा गृह उपयोगी सामग्री खरीद कर घर वापसी किया।

धूमधाम से निकली राजाधिराज मत्तगजेंद्रनाथ सरकार की बारात

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व पर धूमधाम से राजाधिराज मत्तगजेंद्रनाथ सरकार की बारात निकली। जबलपुर का बैंड और शहनाई तथा प्रयागराज से आई झांकी आकर्षण का केंद्र रही। चार प्रहर की महाआरती, रतजगा और अनुष्ठानों का दौर जारी रहा। बुंदेली सेना नें फूलों की जोरदार वर्षा करके बारात का जयपुरिया तिराहे में स्वागत किया और पंचमेवा व बूंदी का प्रसाद वितरित किया।मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप दास महराज ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर की फूलों से भव्य सजावट की गई। भोर से ही जलाभिषेक का दौर शुरू हुआ और हर–हर बम–बम के जयकारे गूँजते रहे। भजनों की बयार बही। दोपहर से वृहद फलाहारी भण्डारे का दौर चला और शाम चार बजे रामघाट से राजाधिराज सरकार की बारात निकली। बारात में अखाडो के निशान, संत महंत, प्रयागराज की झांकी, जबलपुर का बैंड, हांथी घोड़े और रथ में सवार दूल्हा सरकार आकर्षण के केंद्र रहें। बारात रामघाट से जयपुरिया तिराहा होते हुए पुराना सीतापुर बस स्टाप, चौगलिया से रामघाट पहुंची। मंदिर के प्रधान पुजारी विपिन बिहारी महराज ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर शाम 8.30 बजे पहली महाआरती, इसके बाद रात्रि 11.30 बजे दूसरी, 2 बजे तीसरी और तड़के 4 बजे मंगला आरती हुई। जबलपुर की शहनाई मंदिर में गूंजती रही और पूरी रात भजन, कीर्तन, अनुष्ठान और रतजगा का दौर चला।बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पिछले करीब एक दशक से चली आ रही परम्परा के अनुसार उनकी टीम द्वारा जयपुरिया तिराहे में राजाधिराज मत्तगजेंद्रनाथ सरकार की बारात का स्वागत किया गया। बारात पर फूलों की वर्षा अंकित पहारिया द्वारा कराई गई। 51 किलो पंचमेवा प्रसाद का वितरण किया गया। 51 किलो बूंदी और भांग प्रसाद जानकी शरण सिंह नें वितरित किया।

छात्र-छात्राओं ने शिव बारात निकाल प्रस्तुत की मनमोहक झांकी

मीरजापुर। नगर के पांडेयपुर में स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर एक दिन पूर्व स्कूल के छात्र–छात्राओं ने बड़े ही भक्ति भाव के साथ शिव महोत्सव का आयोजन किया। आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छोटे–छोटे बच्चों ने शिव जी की बारात निकाली और मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। बच्चों के द्वारा यह शिव जी की बारात भरुहना से निकल कर महुआरिया, तहसील रोड होते हुए पांडेयपुर पहुंची। जिसमें छोटे–छोटे बच्चों ने भूत–पिशाच, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश जी, कार्तिकेय, नारद मुनि तथा भोलेनाथ आदि का रूप धारण किया था। साथ ही अन्य छात्राएं माता पार्वती तथा उनकी सखी के स्वरूप में आरती उतारते हुए माल्यार्पण कर बाबा भोलेनाथ तथा उनके संग उनकी बारात का स्वागत किया। महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व बड़ी उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया, विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिव–पार्वती की बारात रहा। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने शिव तांडव, भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरे विद्यालय का वातावरण शिवमय हो गया। विद्यार्थियों ने भगवान शिव और माता पार्वती के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही 12 ज्योतिर्लिंग की एक झांकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं को महाशिवरात्रि के पर्व से अवगत कराना था स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती रितु भंडारी जी ने शिक्षकों, छात्र–छात्राओं तथा कर्मचारियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में हर माह कोई ना कोई तीज त्योहार मनाया जाता है हर पर्व का अपना एक महत्व है लिहाजा हम सभी को प्रत्येक पर्व की जानकारी होनी चाहिए और उसे बड़े ही धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। विद्यालय प्रबंधक डॉ अनंत राज भंडारी ने सभी विद्यार्थियों को महाशिवरात्रि के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे पर्व हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को सुधार करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय को–ऑर्डिनेटर तृप्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर वीना श्रीवास्तव, रुचिका शर्मा, संगीता विश्वकर्मा, साक्षी कसेरा, हिमांशी, प्रियंका श्रीवास्तव अमित सिंह, आशी, तनु खरवार आदि अध्यापक गण एवं नन्हे मुन्ने बच्चे गौरी, शिवाय, मानस, अद्विका, वेद, काव्या, माही, अनिका, कशिश, कशप, आदि उपस्थित रहे।संस्कार पब्लिक स्कूल का सदैव ही या प्रयास रहा है कि शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी छात्र–छात्राओं को उनकी संस्कृति और सभ्यता से अवगत कराया जाए। कार्यक्रम के अंत में हर हर महादेव की जयकार से समारोह का समापन हुआ।

भगवान शिव का विषपान प्रसंग त्याग, धैर्य और लोककल्याण का सर्वोच्च आदर्श महंत नरेंद्रानंद महाराज

लालगंज, मीरजापुर। बसही मठ का वातावरण रविवार को पूरी तरह शिवमय हो उठा। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान बिहार के सासाराम स्थित श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महंत नरेंद्रानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भगवान शिव के विषपान प्रसंग को त्याग, धैर्य और लोककल्याण का सर्वोच्च आदर्श बताया।उन्होंने कहा कि भगवान शिव केवल संहार के देव नहीं, बल्कि सृष्टि के संतुलन और लोकमंगल के प्रतीक हैं। समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो समस्त देव–दानव विचलित हो उठे, तब शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर जगत की रक्षा की। यही कारण है कि वे नीलकंठ कहलाए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी संयम और साहस बनाए रखना ही सच्चा धर्म है।महंत नरेंद्रानंद ने कहा कि जिस प्रकार महादेव ने लोकहित में विषपान किया, उसी प्रकार मनुष्य को भी समाज की बुराइयों और व्यक्तिगत कष्टों को धैर्यपूर्वक सहते हुए दूसरों के जीवन में सुख और शांति का प्रकाश फैलाना चाहिए। यही मानवता की वास्तविक सेवा है। उन्होंने शिव के सरल और करुणामय स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि भोलेबाबा सच्चे मन से की गई प्रार्थना को अवश्य स्वीकार करते हैं। शिव आराधना केवल पूजा–पाठ तक सीमित न रहे बल्कि हमारे मन, वचन और कर्म की शुद्धि का माध्यम बने। जब व्यक्ति के भीतर सात्विकता जागृत होती है, तभी समाज में प्रेम, समरसता और भाईचारे का वातावरण निर्मित होता है।

हर-हर महादेव से गुंजायमान रहे शिवालय, निकली शिव बारात

चित्रकूट। धर्मनगरी में महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह से शिवालयों में ओम नमः शिवाय व हर–हर महादेव की गूंज रही। शिवालयों में जलाभिषेक, पूजन व दर्शन करने के लिए हजारों श्रद्धालु लाइन में लगे रहे। शाम को शिव मंदिरों की सजावट कराई गई। जगह–जगह प्रसाद वितरित के काउंटर लगाए गए। भगवान शिव की बारात व शोभायात्रा सबसे ज्यादा आकर्षण का केन्द्र रही।महाशिवरात्रि पर सबसे ज्यादा मत्यगजेन्द्रनाथ स्वामी मंदिर रामघाट में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इसके अलावा मड़फा के शिव मंदिर, चर के सोमनाथ मंदिर, पहाड़ी के पालेश्वरनाथ मंदिदर सहित रामघाट के तुलसी स्मारक शिव मंदिर, मऊ, बरगढ़, मानिकपुर, राजापुर, कोठी तालाब कर्वी समेत शहर के शंकर बाजार, चकरेही रोड़ स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक व पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। बेल पत्र, चंदन, अक्षत, अबीर, धतूरा, भांग, फूल, धूप, शहद, रोली से विधिविधान से पूजा की गई। इसे लेकर बाजार में भी फूल व पूजन सामग्री की दुकाने सजी रही। महाशिवरात्रि को लेकर कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। रामघाट में सबसे ज्यादा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे। मंदिर पहुंचने के लिए महिला व पुरुषों की अलग लाइन लगाई गई। मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर के पुजारी विपिन बिहारी व प्रबंधक प्रदीप दास महराज ने बताया कि सुबह से लेकर रात तक महाशिवरात्रि पर्व पर विशेष चार आरती की गई। इस दौरान लगभग 70 हजार भक्तो ने भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया।

शंकर बाजार के चकरेही रोड़ स्थित शिव मंदिर में आयोजक शिवमंगल सिंह, श्यामलाल सिंह, आशीष सिंह के नेतृत्व में पूजन व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रात तक चला। कोठी तालाब शिव मंदिर में भजन पूजन व इसके अलावा गांव मोहल्लो में भी शिवरात्रि श्रद्धा के साथ मनाई गई।

मेरठ में 406 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा देश का पहला ड्रोन रनवे, जानें युद्ध के समय मिलेगा फायदा

मेरठ। सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा मेरठ में देश के पहले मानव रहित विमान व ड्रोन रनवे का निर्माण किया जाएगा। बीआरओ ने इसके लिए 406 करोड़ रुपये की परियोजना का टेंडर जारी कर दिया है। किला रोड पर 900 एकड़ में बनने वाला यह रनवे रक्षा, निगरानी, ड्रोन परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण होगा। श्ऑपरेशन सिंदूरश के बाद भारत सरकार ने देश की सुरक्षा को नया रूप देना शुरू कर दिया है। सरकार ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण मेरठ छावनी में देश का पहला समर्पित मानव रहित विमान (यूएवी) और ड्रोन रनवे विकसित करने की तैयारी कर ली है। दिल्ली के निकट होने के कारण मेरठ में इस परियोजना के निर्माण को रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे देश की हवाई चौकसी को नई मजबूती मिलेगी।परियोजना का जिम्मा सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौपा गया है। बीआरओ के मुख्य अभियंता द्वारा इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। टेंडर के अनुसार, इस परियोजना पर 406 करोड़ रुपये का खर्च होगा। इसके लिए किला रोड पर लगभग 900 एकड़ जमीन का चयन किया गया है। इस परियोजना को पूरा होने में लगभग सात वर्ष लगने का अनुमान है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आधुनिक विश्व में युद्ध के तौर–तरीके पूरी तरह से बदल गए हैं, इसलिए भविष्य के युद्धों के लिए इस प्रकार के रनवे की जरूरत पड़ेगी। विशेष तौर पर ड्रोन और रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट के लिए इस रनवे का डिजाइन तैयार किया गया है। इस पर ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण भी दिया जा सकेगा। आपदा के समय भी मिलेगा फायदा मेरठ में बनने वाले ड्रोन रनवे का प्रयोग कई प्रकार से किया जा सकेगा। सैन्य जरूरतों, आपदा प्रबंधन, सैन्य निगरानी, प्राकृतिक आपदा के समय राहत व बचाव कार्यों और दूरदराज आवश्यक सामग्री पहुंचाने में इसका उपयोग हो सकेगा। सीमा सड़क संगठन के अनुसार, इस रनवे की लंबाई 2110 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी।

शिव बारात, झांकिया रहे आकर्षण का केन्द्र

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व रामघाट पर शिव बारात के अलावा शहर के नई बाजार में शिव बारात विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। नई बाजार काली देवी मंदिर से छह झांकियों में शिव बारात निकली। धतुरहा तिराहे से लेकर स्टेशन रोड़, सिविल लाइन, धनुष चौराहा होते हुए शिव बारात शहर के पोस्ट आफिस स्थित शिव मंदिर पहुंची। इसके बाद शिव विवाह की औपचारिकता की गई। इस दौरान डीजे व शिव भक्ति के गानो में भक्त रास्ते पर नाचते रहे। कई बार यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस के इतजाम नकाफी साबित हुए। शिव बारात को लेकर शहर के प्रमुख स्थानों पर भक्तो ने बारातियो का स्वागत किया।

मेरठ में बैट लेने पहुचे अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, बताई मन की बात

मेरठ। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी बालिंग आलराउंडर और टी–20 टीम के कप्तान राशिद खान ने कहा कि उनका पहला लक्ष्य अपने देश के लिए आइसीसी ट्राफी जीतना है। दूसरा महत्वपूर्ण लक्ष्य अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन कराना है, जिससे देश में क्रिकेट को और अधिक बढ़ाने में मदद मिलेगी।मेरठ में एसजी से बल्ला व अन्य क्रिकेट उपकरण लेने पहुंचे राशिद खान ने अपनी क्रिकेट यात्रा को साझा करते हुए बताया कि छोटी में बड़े भाइयों को टेप बाल से क्रिकेट खेलते देख उन्होंने भी खेलना शुरू किया था।भाइयों ने किया प्रोत्साहितराशिद खान ने बताया कि भाइयों ने उनके गेंदबाजी हुनर को देख खेलने के लिए प्रोत्साहित किया लेकिन अभिभावकों की ओर से क्रिकेट खेलने की अनुमति नहीं थी। वह उन्हें पढ़ लिखकर डाक्टर बनने को प्रेरित करते थे। इसीलिए राशिद अभिभावकों से छिपकर क्रिकेट खेलने जाते थे। करीब 16–17 वर्ष की आयु में अंडर–19 के लिए ट्रायल देने गए तो वहां टीम में चुन लिए गए।टीम में चयनित होने के बाद माता–पिता को बताया। पिता फिर भी क्रिकेट खेलने के पक्ष में नहीं थे लेकिन माता ने सहयोग किया। उसके बाद अंडर–19 विश्व कप में अफगानिस्तान की ओर से खेलने का मौका मिला। अंडर–19 विश्वकप खेलने के दौरान की यादों पर राशिद खान ने बताया कि वहां ऋषभ पंत के छक्के हमेशा याद रहे। उस समय ऋषभ एसजी के बल्ले से ही खेल रहे थे। तभी से वह भी एसजी का बल्ला लेकर खेलने लगे।क्रिकेटर नहीं बन पाता तो डाक्टर बनता दबाव झेलने के सवाल पर राशिद खान ने बताया कि पहले मैच के दबाव से डर लगता था। अब दबाव आनंदित करता है। बताया कि अब अधिक तनाव व दबाव वाली स्थिति खुद खोजते हैं। विशेष तौर पर अंतिम ओवर में गेंद और रन की तुलनात्मक वाले मैचों में वह खुद गेंदबाजी मांगकर लेते हैं। राशिद ने बताया कि विराट कोहली ऐसे बल्लेबाज हैं जो हर तरह की गेंद खेल सकते हैं, इसलिए हर गेंदबाज की तरह उन्हें भी मन में डर रहता है। इसके अलावा उन्होंने हार्दिक पंड्या और अभिषेक शर्मा के हिटिंग की तारीफ की। कहा कि यदि वह क्रिकेटर नहीं बनते तो डाक्टर बनते और मरीजों का उपचार करते।

डाग स्क्वायड, एलआईयू की टीम ने की चैकिंग

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह के निर्देशन व प्रभारी एलआईयू नागेन्द्र भूषण पाठक के मार्गदर्शन में एसआई शिवसागर तिवारी के नेतृत्व में डॉग स्क्वायड एवं एलआईयू की संयुक्त टीम ने सुरक्षा सतर्कता के .ष्टिगत रामघाट, निर्मोही अखाड़ा में संदिग्ध वस्तुओं, व्यक्तियों की सघन चेकिंग की गई।

मेडिकल कालेज में ग्लूकोमा जागरूकता कार्यक्रम, समय पर जांच का महत्व बताया गया

मेरठ। मेडिकल कॉलेज मेरठ में ग्लूकोमा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज मेडिकल कॉलेज मेरठ के उच्चीकृत नेत्र विभाग द्वारा ग्लूकोमा सप्ताह के अंतर्गत ग्लूकोमा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. लोकेश कुमार सिंह के द्वारा की गई।कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि वर्ष ग्लूकोमा दिवस की थीम फोकस "ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होना" है, जो शीघ्र जांच और जन जागरूकता पर जोर देता है। ग्लूकोमा (काला मोतिया) दृष्टि का मूक चोर है, जो 90: मरीजों में बिना लक्षण के अंधेपन का कारण बनता है। ग्लूकोमा से पीड़ित 90: भारतीयों को पता नहीं होता कि उन्हें यह बीमारी है। यह ऑप्टिक तंत्रिका को नुकसान पहुंचाता है। जिससे दृष्टिहीनता हो सकती है। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, पारिवारिक इतिहास वाले व्यक्तियों, और मधुमेह के रोगियों को तुरंत नेत्र जांच करानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन का डॉ. अलका गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्लूकोमा (काला मोतिया) रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने समय पर जांच में उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को नियमित नीति परीक्षण करने तथा नेतृत्व स्वास्थ्य की प्रतीक्षा करने का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. जयश्री द्विवेदी, डॉ. प्रियांक गर्ग, डॉ. प्रियंका गोसाई

चर सोमनाथ मंदिर में एसपी ने किया शिव जलाभिषेक

चित्रकूट। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा सोमनाथ चर मंदिर परिसर में पहुंचकर विधिविधान से पूजन अर्चन किया गया। जनपदवासियों की सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की गई। पर्व के .ष्टिगत मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने समस्त सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क .ष्टि बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया।

थाना मेडिकल पुलिस ने मोबाइल छीनने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

मेरठ। थाना मेडिकल पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीना गया मोबाईल बरामद किया है। पीड़ित संजीव निवासी– आवास योजना, सराए काजी, कमालपुर ने दी गई तहरीर में बताया कि दो अज्ञात मोबाइल चोरों द्वारा वादी का मोबाइल फोन छीन लिया गया है। इस सम्बन्ध में आज थाना मेडिकल पुलिस ने जागृति बिहार एक्सटेंशन थाना मेडिकल से करन पुत्र आनन्द निवासी प्रीत बिहार त्रिलोकपुरी दिल्ली हाल निवासी काशीराम कालोनी थाना लोहियानगर और शिवा पुत्र लाला निवासी काशीराम कालोनी थाना लोहियानगर को गिरफ्तार किया है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

स्टीव स्मिथ की धमाकेदार एंट्री, चोटिल खिलाड़ी की जगह टीम में शामिल

टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में बड़ा बदलाव करते हुए स्टीव स्मिथ को चोटिल जोश हेजलवुड की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला मिशेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस की फिटनेस पर अनिश्चितता के कारण लिया गया, ताकि टीम के पास एक मजबूत बल्लेबाजी विकल्प बना रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में स्टीव स्मिथ को शामिल किया है। अनुभवी खिलाड़ी पिछले सप्ताह श्रीलंका में मिचेल मार्श की चोट के बाद टीम में शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें केवल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था। हालांकि, पालेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले से पहले, ऑस्ट्रेलिया ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह टीम में जगह बनाई है।इस घटनाक्रम पर बोलते हुए, क्रिकेट क्रिकेट के मौजूदा चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि मार्श और स्टोइनिस की निगरानी की जरूरत को देखते हुए, टीम प्रबंधन ने स्मिथ को टीम में शामिल करना सही फैसला समझा। स्मिथ ने हाल ही में समाप्त हुई बिग बैश लीग में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने छह मैचों में 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 299 रन बनाए। डोडेमाइड ने कहा कि आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी टीम परिवर्तन की सूचना मैच से एक दिन पहले जमा करनी होती है और उसे लागू करवाना अनिवार्य है। स्टीव के यहाँ होने और मिच और मार्कस स्टोइनिस

की स्थिति अनिश्चित होने के कारण, यह उचित था कि स्मिथ को टीम में शामिल कर लिया जाए और जरूरत पड़ने पर मैच से पहले चयन के लिए उपलब्ध कराया जाए।कप्तान मार्श ने श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले फील्डिंग अभ्यास में भाग लिया। ऐसी खबरें थीं कि वह श्रीलंका के खिलाफ मैच के लिए टीम में जगह बनाने की पूरी कोशिश कर रहे थे और पूरी संभावना है कि ऑलराउंडर को खेलने का मौका मिलेगा, क्योंकि टीम का अभियान अब दांव पर है। स्टॉइनिस का मामला थोड़ा अधिक जटिल है। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में बाएं हाथ पर चोट लगने के बावजूद उन्हें फिट घोषित कर दिया गया था, लेकिन प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्हें संघर्ष करते हुए देखा गया।

बड़ी जीत के बावजूद टीम इण्डिया में तनाव, कुलदीप यादव पर क्यों भड़के सीनियर्स?

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत के बावजूद, मैदान पर तनाव का माहौल दिखा जब कुलदीप यादव द्वारा कैच छोड़ने पर कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने उन्हें फटकार लगाई। इस तीखी झड़प का वीडियो वायरल होने के बाद भारतीय खेमे में अनबन की अटकलों को हवा मिल गई है। ईशान किशन के अर्धशतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को कोलंबो में आईसीसी टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को 61 रनों से करारी शिकस्त दी। टी20 विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच हुए नौ मुकाबलों में से आठवीं बार भारत ने पाकिस्तान को हराया। टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ यह दूसरी सबसे बड़ी हार थी, और सूर्यकुमार यादव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर आठ चरण में जगह पक्की कर ली।हालांकि, आसान जीत के बावजूद, मैच के बाद के एक तनावपूर्ण क्षण ने भारतीय खेमे में अनबन की चर्चा को जन्म दिया। अंतिम विकेट गिरने के तुरंत बाद हार्दिक पांड्या और कप्तान सूर्यकुमार यादव को मैदान पर अपने साथी खिलाड़ी कुलदीप यादव से तीखी बहस करते देखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में हार्दिक पारंपरिक हैंडशेक के दौरान काफी परेशान नजर आ रहे हैं। भारत–पाकिस्तान मैच के बाद जब खिलाड़ी लाइन में खड़े हुए, तो हार्दिक ने कुलदीप पर हाथ उठाकर जोरदार इशारे किए। तिलक वर्मा इस घटना को देखकर चिंतित दिखे, वहीं रिंकू सिंह ने बीच–बचाव करते हुए दोनों खिलाड़ियों के बीच तनाव कम करने की कोशिश की।कुछ ही देर बाद, जब कुलदीप सूर्यकुमार के पास पहुंचे तो सूर्यकुमार ने भी उन्हें कड़ी फटकार लगाई, जिससे पाकिस्तान की जीत के बाद तनाव की अटकलों को और बल मिला। यह सब तब

हुआ जब पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवर में कुलदीप द्वारा एक कैच छोड़ दिया गया। यह घटना उसी ओवर में घटी जिसमें पाकिस्तान ने अपना आखिरी विकेट खो दिया। हार्दिक के ओवर की दूसरी गेंद पर शाहीन अफरीदी ने आगे बढ़कर एक छोटी गेंद को लॉन्ग–ऑन की ओर पुल करने की कोशिश की। आर प्रेमदासा स्टेडियम में बाउंड्री रोप के पास खड़े कुलदीप ने गेंद को पकड़ने के लिए दोनों हाथों का इस्तेमाल किया। हालांकि, गेंद उनके हाथों से फिसल गई और बाउंड्री के पार छक्का हो गया, जिससे पाकिस्तान की पारी कुछ देर के लिए आगे बढ़ गई। हार्दिक ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, जाहिर तौर पर मौका चूकने से निराश होकर उन्होंने गुस्से में कुछ अपशब्द भी कहे। फिर भी, ऑलराउंडर ने यह सुनिश्चित किया कि ओवर भारत के लिए सकारात्मक तरीके से समाप्त हो।

टीम इण्डिया से हार के मोहम्मद यूसुफ का छलका दर्द

भारत से टी20 विश्व कप में मिली हार के बाद पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने इसे श्पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास का सबसे काला दौरश बताया है, उन्होंने टीम के पतन के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप और व्यक्तिगत स्वार्थ को जिम्मेदार ठहराया।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत से 61 रनों की हार के बाद टीम के पतन के लिए पाकिस्तान क्रिकेट संरचना में राजनीतिक प्रभाव और व्यक्तिगत स्वार्थ को जिम्मेदार ठहराया है और इसे देश के क्रिकेट इतिहास का सबसे काला दौर बताया है। र पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान पुरुष टीम के कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने कहा कि जब तक राजनीतिक हस्तक्षेप और व्यक्तिगत स्वार्थ समाप्त नहीं हो जाते, पाकिस्तान क्रिकेट

अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर पाएगा।मोहम्मद यूसुफ ने कहा कि जब तक हम पाकिस्तान क्रिकेट को राजनीतिक प्रभाव और व्यक्तिगत स्वार्थ को दूर नहीं करते, तब तक हम उस टीम के रूप में वापस नहीं आ सकते जो हम कभी थे। यह हमारे क्रिकेट इतिहास का सबसे काला दौर है, और मेरा दिल इसके लिए तड़पता है। अक्षम व्यक्तियों को पद और टीम से हटा दिया जाना चाहिए। 2009 टी20 विश्व कप विजेता पाकिस्तान मौजूदा विश्व कप के सुपर 8 चरण में पहुंचने से चूकने के खतरे में है, क्योंकि उसका नेट रन रेट संयुक्त राज्य अमेरिका से भी नीचे गिर गया है। नतीजतन, नामीबिया से हार सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम के अभियान का अंत कर देगी।गौरतलब है कि पाकिस्तान को घरेलू मैदान पर खेले गए 2024 टी20 विश्व कप और 2025 चौंपियंस ट्रॉफी दोनों में भी समूह चरण से बाहर होना पड़ा था। कल के मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। अभिषेक के शून्य पर आउट होने के बाद, ईशान के 77 और तिलक वर्मा के 25 रनों ने भारतीय टीम को संभाला, लेकिन भारतीय टीम 126ध्4 पर सिमट गई, अपने सेट बल्लेबाजों और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या (0) के विकेट गंवा बैठे।हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने मुश्किल परिस्थितियों में भी अपनी पारियों को बखूबी निभाते हुए पारी का शानदार अंत किया। भारत ने 175ध्7 का स्कोर बनाया, जिसमें साइम अयूब (3ध्25) पाकिस्तान के लिए शीर्ष गेंदबाज रहे। रन चेज में, हार्दिक, जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल के शुरुआती झटकों की बदौलत पाकिस्तान 34ध्4 पर सिमट गया।

टीम इण्डिया से हार पर पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम में मातम, कोच माइक हेसन ने खोला हर राज

टी 20 विश्व कप में भारत से मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान के कोच माइक हेसन ने ड्रेसिंग रूम की निराशा का खुलासा किया है। हेसन ने स्वीकार किया कि उनकी टीम दबाव में परिस्थितियों के अनुसार ढलने में विफल रही और भारत ने पिच का बेहतर फायदा उठाकर अनुमान से अधिक स्कोर बनाया, जो हार का मुख्य कारण बना। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के ग्रुप ए में भारत के खिलाफ एकतरफा 61 रनों की हार के बाद, पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने स्वीकार किया कि उनकी टीम दबाव भरे मुकाबले में मैच की परिस्थितियों के अनुरूप ढलने में विफल रही। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में, हेसन ने कहा कि भारत ने उस पिच का बेहतर फायदा उठाया, जो शुरुआत में स्पिनरों को काफी मदद दे रही थी। उन्होंने कहा कि गेंदबाजी की बात करें तो, जाहिर है शुरुआत में काफी स्पिन हो रही थी, और मुझे लगता है कि ईशान किशन की बल्लेबाजी ने हमसे मैच छीन लिया।हेसन ने कहा कि इस समय ड्रेसिंग रूम में काफी निराशा का माहौल है, क्योंकि वे जानते हैं कि पाकिस्तान के लिए यह कितना मायने रखता है। हेसन ने कहा कि हम जानते हैं कि पाकिस्तान बनाम भारत एक बहुत बड़ा आयोजन है। जाहिर है, आज से पहले हमने लगातार पांच मैच जीते थे, इसलिए हम आत्मविश्वास से भरे थे, लेकिन आज हम पूरी तरह से हार गए। हेसन ने स्वीकार किया कि भारत ने पिच पर पाकिस्तान के अनुमान से कहीं अधिक स्कोर बना लिया। ईमानदारी से कहूँ तो, उन्होंने उस पिच पर शायद औसत से 25 रन अधिक बनाए।हालाँकि, पाकिस्तानी कोच ने अपनी टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन को अधिक चिंता का विषय बताया। हेसन के अनुसार, पिच की स्थिति का आकलन करने के बाद टीम अपनी रणनीति में बदलाव करने में विफल रही, जिसकी वजह से उन्हें मैच हारना पड़ा। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार ढलने के मामले में, हमने खुद को कोई मौका ही नहीं दिया। पाकिस्तान के मुख्य कोच ने पहले गेंदबाजी करने के सुझाव

को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्णय पिच के आकलन पर आधारित था, न कि सावध ानी पर। हेसन ने कहा कि हाँ, मैंने इसका जवाब दे दिया है। दोनों टीमें पहले गेंदबाजी करने वाली थीं क्योंकि पिच नरम थी और पहली पारी में गेंद दूसरी पारी की तुलना में दोगुनी स्पिन कर रही थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात पहले हुई थी, जो दिन का मैच थाय यह रात का मैच है। इसलिए, जैसा कि मैंने कहा, टॉस से इसका कोई लेना–देना नहीं था, यह सिर्फ क्रियान्वयन की बात थी। हेसन ने भारत के खिलाफ उच्च दबाव वाले मुकाबले में अपनी टीम की गेंदबाजी रणनीति का बचाव करते हुए उस्मान तारिक को देर से बल्लेबाजी के लिए उतारने से जुड़े सवालों का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि जब बल्लेबाज उस्मान तारिक पर हमला करते हैं तो वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और हमारी टीम में उनकी एक विशेष भूमिका है।

अभिशेक शर्मा फ्लाप, रवि शास्त्री ने दिया वापसी का मंत्र

टी20 विश्व कप 2026 में अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म पर पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि बल्लेबाज को क्रीज पर खुद को थोड़ा और समय देने की जरूरत है। शास्त्री ने विश्वास जताया कि एक बार लय हासिल करने के बाद अभिषेक शर्मा आसानी से वापसी कर लेंगे और डॉट गेंदों को बाउंड्री में बदल देंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री का मानना घ्है कि स्टार भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को खराब फॉर्म से उबरने के लिए थोड़ा समय चाहिए। रविवार को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए टी20 विश्व कप 2026 के मैच में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की बल्लेबाजी एक बार फिर असफल रही। अभिषेक शर्मा कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ चार गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। टी20 विश्व कप 2026 में यह उनका लगातार दूसरा और पिछले पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में तीसरा शून्य था। विश्व

के नंबर एक टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 2026 विश्व कप में अभी तक एक भी रन नहीं बनाया है।गौरतलब है कि अभिषेक ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक छह पारियों पहले गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 68 रन बनाकर बनाया था। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, रवि शास्त्री ने संजना गणेशन से बातचीत में विश्वास जताया कि अभिषेक शर्मा जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें बस धैर्य रखने और क्रीज पर थोड़ा और समय देने की जरूरत है। शास्त्री ने आगे कहा कि खराब दौर आना सामान्य बात है, और एक बार अभिषेक लय में आ जाएं तो डॉट गेंदों को चौकों और छक्कों में बदलना उनके लिए मुश्किल नहीं होगा। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, शास्त्री ने संजना गणेशन से कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने का समय आ गया है, लेकिन उन्हें खुद को थोड़ा समय देना होगा। ऐसा होता है, और आप लय से भटक सकते हैं, लेकिन उन्हें वापस पटरी पर आने तक खुद को थोड़ा और समय देना होगा। क्योंकि बाद में उन डॉट गेंदों को चौकों और छक्कों में बदलना उनके लिए मुश्किल नहीं है। ईशान किशन, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 40 गेंदों में 77 रन बनाकर भारत को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पर 61 रनों से जीत दिलाने में मदद की और अंततः प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता, शास्त्री से खूब प्रशंसा प्राप्त की। यह 2026 टी20 विश्व कप में ईशान किशन का लगातार दूसरा अर्धशतक था। शास्त्री ने कहा कि ईशान किशन शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने उनके बेहतरीन स्ट्राइक रेट की प्रशंसा की और कहा कि कोलंबो की चुनौतीपूर्ण पिच पर लगभग 200 रन बनाना असाधारण था। भारत बनाम पाकिस्तान मैच की बात करें तो, पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। अभिषेक के शून्य पर आउट होने के बाद, ईशान के 77 और तिलक वर्मा के 25 रनों ने भारत को संभाला, लेकिन भारतीय टीम 126ध्4 पर सिमट गई, अपने सेट बल्लेबाजों और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या (0) के विकेट गिरने के बाद।

पहले झटके के बाद इशान किशान का तूफानी अर्धशतक, भारत की दमदार वापसी

भारत–पाकिस्तान टी20 विश्व कप मैच में शुरुआती झटके के बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने विस्फोटक पारी खेली, जिन्होंने शाहीन अफरीदी जैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए तेज फिफ्टी लगाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुँचाया। कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले की शुरुआत रोमांचक अंदाज में हुई। शुरुआती झटके के बाद भारतीय टीम ने जिस तरह वापसी की, उसने मैच का रुख बदल दिया है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय टी20 विश्व कप 2026 के इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन पारी की पहली ही गेंदों में अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पर दबाव बना दिया। किशन ने अफरीदी के स्पेल की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए और उसी ओवर में दो चौके लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई।

गौरतलब है कि पिच से स्पिनरों को मदद मिलती दिखी, जिसके चलते पाकिस्तान ने पावरप्ले में पांच ओवर स्पिन से कराए। विश्व कप इतिहास में यह रणनीति बहुत कम देखने को मिली है। कप्तान सलमान आगाने खुद गेंद संभाली और किफायती गेंदबाजी की। उनके अलावा सैम अयूब को भी शुरुआती ओवरों में आजमाया गया।हालांकि स्पिन के दबाव के बीच किशन ने रन गति बनाए रखी। पावरप्ले की समाप्ति तक उन्होंने 25 गेंदों में 42 रन बना लिए थे और भारत का स्कोर 51ध1 था। इसके बाद उन्होंने मात्र 27 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मौजूद जानकारी के अनुसार 5.3 ओवर में भारत 64ध1 तक पहुंच चुका था।टॉस की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कप्तान सलमान आगा ने माना कि पिच थोड़ी धीमी और चिपचिपी नजर आ रही है, जिससे शुरुआती मदद गेंदबाजों को मिल सकती है। भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं। भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए, जिसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को शामिल किया गया।भारतीय एकादश में हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रित बुमराह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान ने अपने पिछले मैच की विजयी संयोजन को बरकरार रखा।मौसम की बात करें तो कोलंबो में आसमान बादलों से घिरा हुआ है, जिससे तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलने की संभावना जताई जा रही थी। बावजूद इसके दोनों टीमों ने स्पिन को प्राथमिकता दी। मैच से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास करते और रणनीति पर चर्चा करते देखा गया। भारत–पाकिस्तान मुकाबला हमेशा भावनाओं और दबाव से भरा होता है। ऐसे में किशन की आक्रामक पारी ने भारतीय खेमे को आत्मविश्वास दिया है। अब देखना यह होगा कि मध्यक्रम इस मजबूत शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल पाता है या नहीं, क्योंकि इस हाई–वोल्टेज मुकाबले में हर रन की अहमियत बेहद ज्यादा मानी जा रही है और दोनों टीमें जीत के लिए पूरी ताकत झोंकती नजर आ रही हैं।

जापन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती! 2025 की अंतिम तिमाही में मात्र 0.2% की वृद्धि, तकनीकी मंदी से बाल-बाल बचा देश

सोमवार को जारी एक सरकारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नवीनतम मौसमी रूप से समायोजित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर–दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की गई हालांकि निर्यात में 1.1 प्रतिशत की गिरावट ने इसे बेअसर कर दिया।जापान की अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2025 के समापन पर मिश्रित संकेत दिए हैं। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक जापान ने अक्टूबर–दिसंबर 2025 की तिमाही में वार्षिक आधार पर मात्र 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि यह वृद्धि दर बहुत मामूली है, लेकिन इसने देश को श्तकनीकी मंदीश (ज्मबीदपबंस त्म. बमेपवद) के जाल में फंसने से बचा लिया है।सोमवार को जारी एक सरकारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नवीनतम मौसमी रूप से समायोजित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर–दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की गई हालांकि निर्यात में 1.1 प्रतिशत की गिरावट ने इसे बेअसर कर दिया। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल–जून में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि के बाद, जुलाई–सितंबर में जापान की सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) में तिमाही आधार पर 0.7 प्रतिशत की गिरावट आई।चूंकि अर्थव्यवस्था ने पिछली तिमाही में फिर से वृद्धि दर्ज की इसलिए देश तकनीकी मंदी से बाल–बाल बच गया। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन से तकनीकी मंदी की स्थिति उत्पन्न होती है। मंत्रिमंडल कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर–दिसंबर में तिमाही आध ार पर अर्थव्यवस्था में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2025 की 1.1 प्रतिशत की वृद्धि 2022 के बाद सबसे अधिक है जब जापान कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण हुए व्यवधानों से उबर रहा था। 2025 का प्रदर्शन 2022 के बाद सबसे बेहतर वर्षभले ही अंतिम तिमाही सुस्त रही हो, लेकिन पूरे वर्ष 2025 के लिए जापान की कुल वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत रही। यह 2022 के बाद से जापान की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि दर है। 2022 में जापान कोविड–19 महामारी के कारण हुए आर्थिक व्यवध ानों से उबरने की कोशिश कर रहा था। भविष्य का अनुमानजापान के मंत्रिमंडल कार्यालय (ब्इप. दमज वंपिबम) की रिपोर्ट के अनुसार, निकट भविष्य में अर्थव्यवस्था में बहुत तेज उछाल की उम्मीद नहीं है।

पहले झटके के बाद इशान किशन का तूफानी अर्धशतक, भारत ने रचा इतिहास

भारत–पाकिस्तान टी20 विश्व कप मैच में शुरुआती झटके के बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने विस्फोटक पारी खेली, जिन्होंने शाहीन अफरीदी जैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए तेज फिफ्टी लगाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुँचाया।कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले की शुरुआत रोमांचक अंदाज में हुई। शुरुआती झटके के बाद भारतीय टीम ने जिस तरह वापसी की, उसने मैच का रुख बदल दिया है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय टी20 विश्व कप 2026 के इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन पारी की पहली ही गेंदों में अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पर दबाव बना दिया। किशन ने अफरीदी के स्पेल की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए और उसी ओवर में दो चौके लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई।

गौरतलब है कि पिच से स्पिनरों को मदद मिलती दिखी, जिसके चलते पाकिस्तान ने पावरप्ले में पांच ओवर स्पिन से कराए। विश्व कप इतिहास में यह रणनीति बहुत कम देखने को मिली है। कप्तान सलमान आगाने खुद गेंद संभाली और किफायती गेंदबाजी की। उनके अलावा सैम अयूब को भी शुरुआती ओवरों में आजमाया गया।हालांकि स्पिन के दबाव के बीच किशन ने रन गति बनाए रखी। पावरप्ले की समाप्ति तक उन्होंने 25 गेंदों में 42 रन बना लिए थे और भारत का स्कोर 51ध1 था। इसके बाद उन्होंने मात्र 27 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मौजूद जानकारी के अनुसार 5.3 ओवर में भारत 64ध1 तक पहुंच चुका था।टॉस की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कप्तान सलमान आगा ने माना कि पिच थोड़ी धीमी और चिपचिपी नजर आ रही है, जिससे शुरुआती मदद गेंदबाजों को मिल सकती है। भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं। भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए, जिसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को शामिल किया गया।भारतीय एकादश में हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रित बुमराह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान ने अपने पिछले मैच की विजयी संयोजन को बरकरार रखा।मौसम की बात करें तो कोलंबो में आसमान बादलों से घिरा हुआ है, जिससे तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलने की संभावना जताई जा रही थी।

पहले झटके के बाद इशान किशन का तूफानी अर्धशतक, भारत ने रचा इतिहास

भारत–पाकिस्तान टी20 विश्व कप मैच में शुरुआती झटके के बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने विस्फोटक पारी खेली, जिन्होंने शाहीन अफरीदी जैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए तेज फिफ्टी लगाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुँचाया।कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले की शुरुआत रोमांचक अंदाज में हुई। शुरुआती झटके के बाद भारतीय टीम ने जिस तरह वापसी की, उसने मैच का रुख बदल दिया है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय टी20 विश्व कप 2026 के इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन पारी की पहली ही गेंदों में अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पर दबाव बना दिया। किशन ने अफरीदी के स्पेल की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए और उसी ओवर में दो चौके लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई।

गौरतलब है कि पिच से स्पिनरों को मदद मिलती दिखी, जिसके चलते पाकिस्तान ने पावरप्ले में पांच ओवर स्पिन से कराए। विश्व कप इतिहास में यह रणनीति बहुत कम देखने को मिली है। कप्तान सलमान आगाने खुद गेंद संभाली और किफायती गेंदबाजी की। उनके अलावा सैम अयूब को भी शुरुआती ओवरों में आजमाया गया।हालांकि स्पिन के दबाव के बीच किशन ने रन गति बनाए रखी। पावरप्ले की समाप्ति तक उन्होंने 25 गेंदों में 42 रन बना लिए थे और भारत का स्कोर 51ध1 था। इसके बाद उन्होंने मात्र 27 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मौजूद जानकारी के अनुसार 5.3 ओवर में भारत 64ध1 तक पहुंच चुका था।टॉस की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कप्तान सलमान आगा ने माना कि पिच थोड़ी धीमी और चिपचिपी नजर आ रही है, जिससे शुरुआती मदद गेंदबाजों को मिल सकती है। भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं। भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए, जिसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को शामिल किया गया।भारतीय एकादश में हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रित बुमराह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान ने अपने पिछले मैच की विजयी संयोजन को बरकरार रखा।मौसम की बात करें तो कोलंबो में आसमान बादलों से घिरा हुआ है, जिससे तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलने की संभावना जताई जा रही थी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 17 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

बैटल ऑफ गलवान से रोमांटिक सान्ग रिलीज, चित्रांगदा सिंह संग दिखी सलमान खान की लविंग केमिस्ट्री

मातृभूमि को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है. अब सलमान खान फिल्म्स ने बैटल ऑफ गलवान वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक मैं हूं पेश किया है. ऐसे में, सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है.सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैं हूं, एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दर्शाता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हंसी–खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतजार तक का सफर दिखाया गया है. यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार–चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है. घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द. यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है.विजुअली, यह ट्रैक खुशी और तड़प के बीच एक बैलेंस बनाए रखता है. हम सलमान खान को दिल को छू लेने वाले और सौम्य पलों में देखते हैं मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हुए और अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हुए, वहीं दूसरी तरफ कुछ फ्रेम्स इमोशनल दूरी और अकेलेपन को भी बयां करते हैं. चित्रांगदा सिंह ने अपने किरदार में शालीनता और एक खामोश मजबूती दिखाई है. उनकी केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और गहराई से सच्ची महसूस होती है.

अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी जहन में बनी रहती है. श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है. वहीं, अयान लाल और शब्बीर अहमद के लिखे बोल बहुत ही सटीक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो एक फौजी के पीछे

खड़े उसके परिवार की कुर्बानियों और उनकी खामोश ताकत को बयां करते हैं. बैटल ऑफ गलवान का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं. यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक सच्ची तस्वीर पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी.

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर रिलीज, जुनैद खान और साई पल्लवी का दिखा प्योर रोमांटिक अंदाज

एक दिन एक ऐसी रोमांटिक और जादुई प्रेम कहानी का वादा करती है जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. इसके साथ ही, यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स के रीयूनियन का गवाह बनेगी, जो जो जीता वही सिकंदर और जाने तू... या जाने ना जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं.आमिर खान और मंसूर खान की वो सुपरहिट जोड़ी, जिसने हमें कयामत से कयामत तक और जाने तू... या जाने ना जैसी क्लासिक फिल्में दी हैं, एक बार फिर एक प्यारी सी लव स्टोरी लेकर वापस आ गई है. जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर एक दिन एक ऐसी कोमल और जादुई रोमांस की कहानी है, जो जज्बातों और रिश्तों की सादगी का जश्न मनाती है. टीजर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इस जादुई प्रेम कहानी की एक झलक मिली है. इसमें जुनैद खान का वो प्यारा सा अनाड़ीपन और शर्मीला अंदाज, साई पल्लवी की सादगी और चमक के साथ एकदम फिट बैठ रहा है. फैंस प्यार के इस नए और ताजा अंदाज को पर्दे पर देखने के लिए अब और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं. वैलेंटाइन डे के खास मौके पर आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक दिन का एक नया पोस्टर शेयर किया है. इस पोस्टर में एक बहुत ही प्यारा और सुकून भरा पल कैद किया गया है. एक शांत से सुपरमार्केट में जुनैद और साई एक–दूसरे के सामने खड़े हैं और साई के हाथ में एक मफिन है जिस पर एक मोमबत्ती जल रही है. यह छोटा सा लेकिन दिल छू लेने वाला पल उस कोमल और प्यारी प्रेम कहानी की झलक देता है जो इस फिल्म की जान है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, बस एक दिन ही काफी है, टीजर अब आउट, देखिए एक दिन सिर्फ सिनेमाघरों में, 1 मई 2026 को.

एक दिन के जरिए आमिर खान और डायरेक्टर–प्रोड्यूसर मंसूर खान की आइकॉनिक जोड़ी लंबे समय बाद साथ वापसी कर रही है. इस जोड़ी ने पहले भी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं. अब एक बार फिर वे एक रोमांटिक लव स्टोरी के लिए साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने की एक बड़ी वजह बन गई है.

इस रीयूनियन ने फिल्म की और झलकियां देखने की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है.आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं सुनील पांडे के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

एनिमल 2 पर आया बड़ा अपडेट, हीरो के साथ विलेन बनेगा रणबीर कपूर

फिल्म मेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क पर बड़ा अपडेट दिया है. एनिमल के जापान प्रीमियर के अवसर पर आयोजित एक वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की शूटिंग, टाइटल और रणबीर कपूर के किरदार का खुलासा किया है.जापान के वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि उन्होंने एनिमल के सीक्वल का नाम एनिमल पार्क क्यों रखा. साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क की शूटिंग अगले साल शुरू करने वाले हैं. संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म के टाइटल के चुनाव के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी अभी की फिल्म खत्म होने के बाद एनिमल पार्क जल्द ही शुरू होगी. फिल्म में और भी एनिमल्स होंगे क्योंकि अजीज भी एक एनिमल है. तो, इसे ध्यान में रखते हुए अब दोनों भाइयों के बीच एक जैसा लड़ाई है, इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल होगा.इस दौरान वांगा ने फिल्म की शूटिंग के बारे में भी खुलासा किया है. फिल्म मेकर ने कहा, हम 2027 के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे. इस इवेंट में रणबीर कपूर जूम कॉल के जरिए जुड़े हुए थे. उन्होंने न सिर्फ अपने किरदार रणविजय सिंह को दोबारा निभाने के बारे में बात किया बल्कि विलेन अजीज

का किरदार निभाने को लेकर भी अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की. बर्फी एक्टर ने खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क में डबल रोल निभाने वाले हैं. उन्होंने कहा, मैं संदीप के साथ सेट पर वापस जाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं. साथ अपने इस किरदार (रणविजय सिंह) और दूसरे नए किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं. क्योंकि यह एक कंटिन्यू चलने वाली स्टोरी है, इसलिए पार्ट वन की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में पार्ट टू की कहानी बहुत साफ थी. इसलिए, एक एक्टर के तौर पर यह मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक है.उन्होंने आगे कहा, मैं और संदीप पूरे हफ्ते या महीने एक–दूसरे से बात करते रहते हैं और अलग–अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं. मैं सच में रणविजय और अजीज का किरदार निभाने के लिए सेट पर वापस जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं.।

ओ रोमियो ने आते ही काटा बवाल, 7 साल बाद शाहिद की फिल्म को मिली तगड़ी ओपनिंग, ये रिकार्ड भी बनाया

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने नौ साल के बाद ओ रोमियो से बड़े पर्दे पर कमबैक किया है. ये जोड़ी इससे पहले कमीने, हैदर और रंगून जैसी शानदार फिल्में जे चुकी है. ऐसे में गैंगस्टर ड्रामा ओ रोमियो से भी काफी उम्मीदें हैं. ये फिल्म 13 फरवरी, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इस फिल्म का शनाया कपूर और आदर्श गौरव की श्तू या मैंच से क्लैश हुआ है. वहीं ओ रोमियो की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक शुरुआत की है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ से ओपनिंग की है?ओ रोमियो के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था. फिल्म में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और नाना पाटेकर जैसे कई दमदार कलाकारों की टोली है. जिसके चलते फिल्म को लेकर फैंस में पहले ही जबरदस्त एक्साइटमेंट थी. हालांकि विशाल भारद्वाज निर्देशित इस फिल्म का रिलीज से पहले कोई खास प्रमोशन नहीं किया गया जिसके चलते इसका बज कम ही था. लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ काम कर गया और इस फिल्म ने अच्छी ओपनिंग कर ली है.सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन 8.25 करोड़ की ओपनिंग की है.बता दें कि शाहिद की आखिरी सबसे बड़ी ओपनर साल 2019 की कबीर सिंह थी. इसके बाद एक्टर की साल 2024 में आई तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने 7.02 करोड़ की ओपनिंग की थी. ऐसे मे अब शाबिद की फिल्म ने 8.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ तगड़ी शुरुआत की है. इसी के साथ शाहिद को सात साल के बाद बड़ी ओपनिंग मिली है।ो रोमियो शाहिद कपूर की टॉप 10 ओपनर्स की लिस्ट में भी एंट्री कर चुकी है. ये एक्टर की छठी सबसे बड़ी ओपनिग करने वाली फिल्म बन गई है. बता दें कि इसने शाहिद कपूर की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (7.02 करोड़), मौसम (6.75 करोड़), बत्ती गुल मीटर चालू (6.76 करोड़), हैदर (6.14 करोड़) और रंगून (6.07 करोड़) के ओपनिंग डे कलेक्शन को मात दे दी है.

ओ रोमियो ने आते ही बिगाड़ा बार्डर 2 का खेल, लाखों में सिमटी कमाई

सनी देओल की बॉर्डर 2 को सिनेमाघरो में दहाड़ते हुए तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं. चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही अब इस वॉर ड्रामा को शाहिद कपूर की नई रिलीज ओ्यरोमियाच्य टक्कर देने आ गई है. इसी के साथ श्बॉर्डर 2च्यकी कमाई को बड़ा झटका लगा है. चलिए यहां जानते हैं नई रिलीज फिल्म के आने के बाद बॉर्डर 2'ने चौथे फ्राइडे यानी 22वें दिन कितना कलेक्शन किया है?सनी देओल की श्बॉर्डर 2च्य 23 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई थी तब से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. रिलीज के तीन हफ्तों में इसने हर दिन करोड़ों में कलेकक्शन किया. बता दें कि इस फिल्म ने पहले हफ्ते में ही 224.25 करोड़ से ज़्यादा की कमाई कर ली थी. इसके बाद इसने दूसरे वीक में 70.15 करोड़ कमाए, वहीं थिएटर में अपने तीसरे हफ्ते में इसने 23.35 करोड़ का कलेक्शन किया. हालांकि चौथे शुक्रवार को श्बॉर्डर 2च्य की कमाई को झटका लगा. दरअसल नई रिलीज फिल्मों के चलते इसने पहली बार लाखों में कमाई की है.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्बॉर्डर 2च्य ने रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे शुक्रवार को 80 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के 22 दिनों में भारत में कुल 318.55 करोड़ कमा लिए हैं. श्बॉर्डर 2च्य की कमाई में रिलीज के 22वें दिन भले ही काफी गिरावट दर्ज की गई है लेकिन इसने ऋतिक रोशन की साल 2019 की रिलीज वॉर के लाइफटाइम कलेक्शन 318.01 करोड़ को मात दे दी है. अब इसके निशाने पर सलमान खान की बजरंगी भाईजान (320.34 करोड़) है. उम्मीद है कि तीसरे शनिवार को फिलम इस उपलब्धि को भी हासिल कर लेगी. वहीं अब ये भी देखने वाली बात होगी कि नई रिलीज फिल्मों के आगे श्बॉर्डर 2च्य चौथे वीकेंड पर कितनी कमाई कर पाती है.

दो दीवाने सहर में में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं- संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म श्दो दीवाने सहर म्ंय में नैना के किरदार में नजर आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुजरे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के जरिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज् यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार–बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह श्काफी नहींच्य है, और नैना पर श्बहुत ज़्यादा परफेक्ट्य बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे–धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना,

भाई–बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे जख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता–पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं।गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

आदर्श-शनाया की तू या मैं को दर्शकों ने नहीं दिया भाव, पहले ही दिन कमाई के लिए तरसी फिल्म

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की नई फिल्म श्तू या मैंच शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस सर्वाइवल ड्रामा का क्लैश शाहिद कपूर की ओ रोमियो से हुआ. वहीं श्तू या मैंच पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई. इसी के साथ फिल्म की ओपनिंग भी बेहद ठंडी रही है. चलिए यहां जानते हैं श्तू या मैंच ने रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की है?आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म श्तू या मैंच दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई. वहीं इसे ओ रोमियो से क्लैश और कुछ हफ्तों पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 से मुकाबला करना भारी पड़ा. जिसके चलते ये पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसे ओपनिंग डे पर बड़ी मुश्किल से लाखों कमा पाई है.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्तू या मैंच ने रिलीज के पहले दिन 50 लाख का कलेक्शन किया है.श्तू या मैंच की कहानी दो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर आधारित है. दोनों आराम के लिए एक सुनसान जगह पर जाते हैं, लेकिन वहां उनकी मुलाकात एक मगरमच्छ से हो जाती है ।

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में, वह बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं कहानी तापसी पन्नू

श्मुल्कच्य, श्थप्पड़च्य और श्आर्टिकल 15च्य जैसी फिल्मों में काम करने के बाद तापसी पन्नू अब अनुभव सिन्हा के साथ आ रही फिल्म अस्सी को लेकर उत्साहित हैं। तापसी ने अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अनुभव को शानदार बताया। तापसी पन्नू ने उन्हें एक ऐसा निर्देशक बताया जो कहानियों को बहुत सच्चाई और सरलता से पेश करते हैं।तापसी ने कहा, मैं अनुभव सिन्हा को सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें बहुत सी ऐसी चीजों को बेहतरीन तरीके से सामने लाने की कला आती है जो उनकी फिल्मों को ड्रामाई रूप से रियल और शानदार बनाती हैं। चाहे श्मुल्कच्य या श्अस्सीच्य जैसे कोर्टरूम ड्रामा हों या श्थप्पड़च्य और श्आर्टिकल 15च्य जैसी कहानियां, उनकी कहानी कहने का अंदाज बेहतरीन है और वह सच को सहजता से सामने लाते हैं।उन्होंने आगे बताया कि अनुभव सिन्हा जिंदगी की सच्चाई को इतनी आसानी से दिखाते हैं कि एक बार सामने आने के बाद उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि उनकी फिल्में इतनी असरदार बनती हैं। तापसी का मानना है कि जब कोई डायरेक्टर सबसे साधारण

कहानियों को भी दमदार तरीके से पेश कर सकता है तो एक्टर उसके साथ सबसे सुरक्षित महसूस करता है।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह सकता है कि अनुभव की फिल्मों में किसी एक्टर ने अच्छा काम नहीं किया। अनुभव जो मटेरियल और सीन देते हैं, उनमें अगर एक्टर पूरी तरह कमिटेड है तो गलत होने की गुंजाइश बहुत कम रहती है। उनके दिए डायलॉग और मोमेंट्स एक बच्चे को कैंडी शॉप में मिलने वाली खुशी जैसे होते हैं। श्अस्सीच्य में तापसी पन्नू के साथ लीड रोल में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब नजर आएंगे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा के स्पेशल अपीयरेंस भी हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में तैयार फिल्म को गुलशन कुमार और टी–सीरीज पेश कर रहे हैं। यह बनारस मीडिया वर्क्स का प्रोडक्शन है, जिसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।